सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 138 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 01 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

सीएम ने राज्यपाल को दी जन्मदिन की शुभकामनाएँ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज लोकभवन पहुँचकर राज्यपाल रमेन डेका को उनके जन्मदिन के अवसर पर आत्मीय शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। श्री साय ने इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका को पुष्पगुच्छ, छत्तीसगढ़ की पारंपरिक ढोकरा शिल्प की आकर्षक कलाकृति तथा शॉल भेंट किया। उन्होंने राज्यपाल रमेन डेका के उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय जीवन तथा दीर्घायु की कामना की।

पाटन : 6 स्कूली बच्चे फाइलेरिया पॉजिटिव

पाटन। जिले में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत ट्रांसमिशन असेसमेंट सर्वेक्षण संचालित किया जा रहा है। प्रथम चरण की जांच पूर्ण होने के बाद विकासखंड पाटन में 6 बच्चे पॉजिटिव पाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सभी बच्चों को आवश्यक उपचार प्रदान किया तथा सतत निगरानी की जा रही है। यह परीक्षण चिरायु टीम कर रही है। जांच में पॉजिटिव पाए जाने वाले बच्चों को आवश्यक दवाएं देकर उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है। यह सर्वेक्षण दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। 52 शासकीय और निजी प्राथमिक स्कूलों में प्रथम और द्वितीय कक्षा के 6 से 7 वर्ष आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं का रक्त परीक्षण किया गया है।

चलती स्कूल बस का फ्लोर टूटा, 8 साल की छात्रा की मौत

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में दुखद हादसा हो गया। शनिवार दोपहर को एक चलती स्कूल बस का अचानक फर्श टूट गया। बस में सवार एक मासूम बच्ची टूटे फर्श से नीचे गिर गई और पहिये से कुचलकर उसकी दर्दनाक मौत हो गई। चालक बच्ची के शव को बस में छोड़कर भागने लगा। इस पर ग्रामीणों ने भागते बस चालक को पकड़ लिया। बच्ची की मौत के बाद परिवार के लोगों का रो रोकर बुरा हाल है। इस हादसे से भड़के ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया।

हुड़दंगियों की सूचना पर विधायक रिकेश देंगे 21000

भिलाई। होली के रंग में खलल डालने वालों के लिए इस बार वैशाली नगर में सख्त संदेश जारी हो गया है। रिकेश सेन ने ऐलान किया है कि त्योहार की आड़ में हुड़दंग, अश्लीलता या कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इतना ही नहीं, असामाजिक तत्वों की पुख्ता सूचना देने वाले को 21 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि यदि कहीं ट्रिपल राइडिंग करते, बिना हेलमेट या अर्धनग्न अवस्था में मोटरसाइकिल पर घूमते युवक दिखें, मोहल्लों में हथियार लहराए जाएं, महिलाओं से बदसलूकी हो, सड़क पर मारपीट या अश्लील हरकतें हों, तो तुरंत फोटो और वीडियो के साथ सूचना उनके व्हाट्सएप नंबर पर भेजें। विधायक ने स्पष्ट किया है कि गाड़ी का नंबर और स्पष्ट वीडियो/फोटो अनिवार्य होगा। सूचना सही पाए जाने पर 21,000 रुपए दिए जाएंगे।

ईरान में खमेनेई युग का अंत

अमेरिकी-इजराइली हमले में : खमेनेई की बेटी-दामाद, बहू-पोती भी मारी गई, ईरान का पलटवार

एजेंसियां/इंटरनेट डेस्क

तेल अवीव/तेहरान। अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई है। शनिवार को उनके ऑफिस कॉम्प्लेक्स पर 30 मिसाइलों से हमला हुआ था। हमले में उनकी बेटी-दामाद, बहू और पोती समेत कॉम्प्लेक्स में मौजूद 40 कमांडर्स भी मारे गए हैं। हमले के समय खामनेई कमांडर्स के साथ मीटिंग कर रहे थे।

इजराइल के प्रधानमंती नेतन्याहू ने शनिवार देर रात खामनेई के मारे जाने की बात कही थी। इसके कुछ देर बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी उनके मारे जाने का दावा किया था। रविवार सुबह ईरान की सरकारी मीडिया एजेंसी 'तसनीम' और 'फार्स' ने इसकी पुष्टि कर दी है।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने बताया है कि शनिवार को हुए हमलों रक्षा मंत्री अजीज नसीरजादेह और सेना प्रमुख अब्दुल रहीम मौसवी की मौत हो गई। अली खामेनेई, उनके सुरक्षा सलाहकार अली शामखानी और मोहम्मद पकपोर भी इन हमलों में मारे गए। सेना के कुछ और कमांडर भी मारे गए हैं।

खामनेई के मारे जाने पर ईरान में 40 दिन का राजकीय शोक और सात दिन की छुट्टी घोषित कर दी गई है। ईरानी इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा, 'हमने एक महान नेता खो दिया है और पूरा देश शोक मना रहा है।'

इजराइल और अमेरिका ने ईरान की राजधानी तेहरान समेत 10 बड़े शहरों को निशाना बनाया। हमलों से अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 740 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 148 छात्राओं की मौत हो गई और 45 घायल हैं।

हमलों के पीछे यह है फसाद की मुख्य जड़

अमेरिका को शक है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर सकता है जबकि ईरान कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम सिर्फबिजली बनाने और वैज्ञानिक रिसर्च के लिए है। अमेरिका को दूसरी दिक्कत ईरान का मिसाइल प्रोग्राम है। ईरान साफ कहता है कि उसकी बैलिस्टिक मिसाइलें उसकी सुरक्षा के लिए जरूरी हैं और इस मुद्दे पर कोई समझौता नहीं होगा। अमेरिका का मानना है कि ईरान इराक, सीरिया, लेबनान और यमन जैसे देशों में अपने समर्थक गुटों को मदद देकर अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। ईरान कहता है कि वह अपने हितों और सहयोगियों की रक्षा कर रहा है।

जवाबी कार्रवाई में ईरान का ताबड़तोड़ हमला

ईरान ने भी देशों पर जवाबी हमले किए थे। ईरानी हमले में तेल अवीव में कई गाड़ियां जल कर राख हो गईं। इजराइल के एक इलाके में 4 फीट गहरा गड्ढा बन गया। जवाबी कार्रवाई में ईरान ने ड्रोन और मिसाइल हमले किए। ईरान ने इजराइल पर करीब 400 मिसाइलें दागीं और कतर, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब व यूएई में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाया। दुबई पर भी हमला किया। ईरान ने दुबई के पाम होटल एंड रिसोर्ट और बुर्ज खलीफा के पास ड्रोन हमला किया। इसके अलावा बहरीन में कई रिहायशी इमारतों को निशाना बनाया।

अयातुल्ला खामेनेई कैसे बने इस्लाम का मसीहा

अयातुल्ला अली खामेनेई का जन्म 19 अप्रैल 1939 को ईरान के धार्मिक शहर मशहद में एक मौलवी परिवार में हुआ था। वे खोमैनी शाह की नीतियों के खिलाफ थे और इस्लामी शासन की वकालत करते थे। 1963 में उन्हें गिरफ्तार किया गया। वे सरकार विरोधी आंदोलन का बड़ा चेहरा बन गए। 1979 में इस्लामी क्रांति हुई और शाह की सरकार गिर गई। खोमैनी ने नई इस्लामी सरकार बनाई। खामेनेई को उप रक्षामंत्री बनाया गया। 1981 में खामेनेई पर बम हमला हुआ। एक अन्य बम धमाके में तत्कालीन राष्ट्रपति की मौत हो गई। इसके बाद खामेनेई भारी बहुमत से जीतकर ईरान के तीसरे राष्ट्रपति बने। 1989 में खोमैनी के निधन के बाद खामेनेई को देश का सर्वोच्च नेता बनाया गया। 1981 में उनकी हत्या की कोशिश की गई थी।

काम नहीं आई खामेनेई की इस्लाम की दुहाई

तेहरान/रियाद/वॉशिंगटन: ईरान के सुप्रीम लीडर जब तक जिंदा थे वो इस्लाम के नाम पर मुस्लिम देशों को एकजुट करने की कोशिश करते रहे। लेकिन अमेरिका के हमले के बाद खुलासा हुआ है कि वो सऊदी अरब है जिसने डोनाल्ड ट्रंप पर ईरान पर हमला करने का दबाव बनाया था। वॉशिंगटन पोस्ट ने दावा किया है कि सऊदी अरब के प्रधानमंत्री और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने डोनाल्ड ट्रंप को कई बार फोन किया था। नवभारत टाइम्स ने वॉशिंगटन पोस्ट के हवाले से खबर दी है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान पर हमला करने का फैसला तब लिया जब मोहम्मद बिन सलमान ने उनसे बार बार ईरान पर हमला करने के लिए लॉबिंग की थी। इजरायल पहले से ही ईरान पर हमला करने के लिए दबाव बना रहा था। नेतन्याहू के अलावा सलमान ने भी ट्रंप पर प्रेशर बनाया था।

अमेरिका की कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन, बंद

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में खामेनेई की मौत पर विरोध प्रदर्शन हो रहा है। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के विरोध में प्रदर्शन हो रहा है। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में ईरान पर हमले के विरोध में लोगों ने ईरान-इजराइल के झंडे लेकर विरोध प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में खामेनेई की मौत के विरोध में शिया समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। उधर अजमेर में खामेनेई की मौत पर 3 दिन के शोक की घोषणा की गई है।

बिलासपुर के मंगला अपार्टमेन्ट में भीषण आग, रिहायशी इलाके में इलेक्ट्रिक गोदाम

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। बिलासपुर के मंगला क्षेत्र स्थित गजमोहिनी अपार्टमेंट के निचले हिस्से में रविवार सुबह करीब 5 बजे भीषण आग लग गई। इस अपार्टमेंट में कुल 48 फ्लैट हैं। आग लगते ही पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची।

प्राथमिक जांच में सामने आया कि रिहायशी अपार्टमेंट का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। ग्राउंड फ्लोर पर इलेक्ट्रॉनिक सामान का बड़ा गोदाम संचालित था। नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने कहा कि रिहायशी अपार्टमेंट में गोदाम चलाना नियम विरुद्ध है।

दमकल कर्मियों ने बताया कि अपार्टमेन्ट का एक हिस्से में आग फैल गई थी जिसे बुझाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

संचालकों से दस्तावेज मांगे जाएंगे, नियम उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई होगी। कमिश्नर ने शहर के सभी अपार्टमेंट का सर्वे कराने की बात कही, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

नागपुर की बारूद कम्पनी में ब्लास्ट, 17 की मौत, 18 गंभीर

नागपुर (ए.)। नागपुर जिले राउलगांव स्थित गोला-बारूद निर्माण कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में रविवार सुबह करीब 7 बजे भीषण धमाका हो गया। धमाके के बाद आग लग गई।हादसे में 17 कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 18 घायल हो गए। घायलों में से कई की हालत गंभीर है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड ने बताया कि ब्लास्ट से कंपनी में चारों तरफ मलबा फैल गया है। मलबे में दबे कुछ कर्मचारियों को निकाला गया है। 15 घायलों को नागपुर के अस्पताल ले जाया गया है।

नागपुर के कलमेश्वर में स्थित एसबीएल एनर्जी लिमिटेड (पूर्व में स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड) औद्योगिक विस्फोटकों की एक प्रमुख निर्माता कंपनी है। कंपनी

खनन परियोजनाओं के लिए विस्फोटक, डेटोनेटर आदि बनाती है। रविवार सुबह कर्मचारियों ने काम शुरू ही किया था, तभी प्लांट में डेटोनेटर बनाने की प्रोसेस के दौरान एक तेज धमाका हो गया।

विस्फोट इतना भीषण था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी। हादसे के दौरान कंपनी में 30 से ज्यादा कर्मचारी काम कर रहे थे।

पीएम मोदी ने की राहत की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना पर शोक जताया, साथ ही मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार की सहायता राशि देने की घोषणा की।

सीएम फडणवीस ने खेद जताया

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ट्वीट कर कहा- एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। 17 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। मैं मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस घटना में 18 लोग घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत नागपुर ले जाया गया है।

धीरेंद्र शास्त्री बनेंगे दूल्हा, मां से कह दिया; लड़की देखना शुरू करो

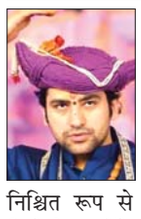

छतरपुर। देश-दुनिया में सनातन का झंडा बुलंद करने वाले बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने अपने विवाह को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कैमरों के सामने कहा कि विवाह निश्चित रूप से होगा और जल्द अच्छी खबर मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि विवाह गुरु आज्ञा और मां की पसंद से होगा। मैंने मां को बोला है, लड़की देखना शुरू करो। जब उनसे किसी ने पूछा कि शादी कब तक करेंगे तो उन्होंने खुलकर कहा कि, शादी करना तय है और बहुत जल्द खुशखबरी भी मिलेगी। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि मैंने आज ही मां को बोल दिया है, लड़की देखना शुरू करें।

मोदी ने पुडुचेरी में 2700 करोड़ के प्रोजेक्ट शुरू किये

चेन्नई (ए.)। पीएम नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पुडुचेरी में 2,700 करोड़ रुपए से ज्यादा के अलग-अलग डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का बटन दबाकर उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने रविवार को पुडुचेरी में 2,700 करोड़ रुपए से ज्यादा के अलग-अलग डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का बटन दबाकर उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पुडुचेरी पहुंचे। यहां उन्होंने 2,700 करोड़ रुपए से ज्यादा के अलग-अलग डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया और आधारशिला रखी।

इसके बाद प्रधानमंत्री ने सभा को

संबोधित किया। मोदी ने कहा कि जब केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश की सरकारें मिलकर काम करती हैं तो रिजल्ट जल्दी आते हैं। कांग्रेस ने पुडुचेरी को दिल्ली के एक परिवार का एटीएम बना रखा था। कांग्रेस और डीएमके विकास में बाधक हैं। अब वही ताकतें फिर से सत्ता के लिए भूखी हैं।

मोदी आज तमिलनाडु में आठ नए बने रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। वे चेन्नई बीच चेन्नई एग्मोर चौथी लाइन देश को समर्पित करेंगे। इसके बाद वह मदुरै में 4,400 करोड़ रुपए से ज्यादा के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का भी उद्घाटन करेंगे।

एनएच-332 ए के मरक्कनम-पुडुचेरी सेक्शन और एनएच-87 के परमकुडी-रामनाथपुरम सेक्शन की फोर-लेनिंग का दोपहर करीब 3 बजे आधारशिला रखेंगे।

ईरान-इराक युद्ध : मिडिल ईस्ट की फ्लाइटें रद्द; एयरपोर्ट को अलर्ट पर रहने के निर्देश

नई दिल्ली (ए.)। इजरायल-ईरान युद्ध की वजह से भारतीय एयरलाइंस में एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट ने भारत से अपनी मिडल-ईस्ट की तमाम फ्लाइटों को अगले आदेशों तक कैंसल कर दिया है।

इजराइल के ईरान पर हमले के बाद एयर इंडिया ने तेल अवीव जाती अपनी फ्लाइट को बीच रास्ते में आसमान से ही वापस भारत बुला लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए नागर विमानन मंत्रालय ने तुरंत एक हाई लेवल मीटिंग की। जिसमें भारत के दिल्ली और मुंबई समेत तमाम बड़े एयरपोर्ट को अलर्ट पर रहने के आदेश दिए गए हैं। ताकि इमरजेंसी के और अधिक एयरक्राफ्ट को पार्क करने समेत यात्रियों की सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा जा सके। एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट ने यात्रियों को सलाह दी है कि वह अपनी अगली इंटरनेशनल यात्रा शुरू करने से पहले संबंधित एयरलाइंस के कॉल सेंटर, वेबसाइट और अन्य माध्यम से ताजा स्टेटस चेक कर लें।

हाथियों को बचाने रेलवे बनाएगा 35 अंडरपास व ब्रिज

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। हाथियों व अन्य वन्यप्राणियों को रेल से बचाने के लिए केंद्र सरकार निर्माणाधीन रेल कॉरीडोर लाइन में 2500 करोड़ रुपए की लागत से 35 अंडर व ओवर पास बना रही है। इनमें से धरमजयगढ़ रेल लाइन पर तैयार हो चुके 3 ओवर व 3 अंडर पास का उपयोग वन्यप्राणी कर रहे हैं। पिछले तीन साल में रेल लाइन पर कोई भी वन्यप्राणी घायल नहीं हुआ है। इससे वन विभाग को बड़ी राहत है।

खरसिया-धरमयगढ़-उरगा-कुसमुंडा-गेवरारोड-पेंड्रारोड निर्माणाधीन कॉरीडोर रेल लाइन बीहड़ जंगल से होकर गुजर रही है। इस रेलवे लाइन में 35 ऐसे स्थान हैं जहां से वन्यप्राणी मूलरूप से हाथियों की आवाजाही बड़ी तादात में है।

ऐसे स्थानों को चिन्हित कर वहां पर वाइल्ड कॉरीडोर अंडर व ओवर पास बनाए जा रहे हैं।

इनमें 21 अंडर व 14 ओवर पास होंगे। इनमें से खरसिया-धरमजयगढ़ कॉरीडोर रेल लाइन जो कि 124 किमी लंबी है, यहां 3 अंडर व 3 ओवर पास का निर्माण हो चुका है।

इसका उपयोग धरमजयगढ़ के जंगल में रह रहे हाथी कर रहे हैं। उन्हें भी अब ओवर पास और अंडर पास समझ आने लगी है। एक दो नहीं बल्कि हाथियों का पूरा कुनबा ही इसका उपयोग करने लगा है। इसकी जो तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं।

कॉरीडोर रेल लाइन खरसिया, धरमजयगढ़, कोरबा, कटघोरा और मरवाही वन मंडलों के जंगल से होकर गुजर रही है। इन पूरे जंगलों में मरवाही को छोड़ शेष 4 वनमंडलों के जंगल में बड़ी तादात में हाथी मौजूद हैं। वर्तमान में बिलासपुर वनवृत्त में 180 हाथी विचरण कर रहे हैं। सबसे ज्यादा कटघोरा और धरमजयगढ़ वन मंडल में हैं।

खरसिया-धरमजयगढ़ 124 किमी में 3 अंडर व 3 ओवर पास बनकर तैयार हैं जिनकी लंबाई 60 से 80 मीटर और चौड़ाई लगभग 30 मीटर है। धरमयगढ़-उरगा 62 किमी में 2 अंडर व 7ओवरपास निर्माणाधीन हैं। इसी तरह से गेवरारोड से पेंड्रारोड के मध्य 155 किमी में 21 अंडरपास और 14 ओवर पास निर्माणाधीन हैं।

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की टीम ने पूरे क्षेत्र का दौरा किया और वन विभाग के अफसरों से चर्चा करने के बाद अंडर व ओवर पास का प्रावधान करने के निर्देश दिया।

संपादकीय

शिक्षा में न्यायपालिका

संवाद की जरूरत या विवाद की राजनीति?

शिक्षा का उद्देश्य केवल तथ्य देना नहीं, दृष्टि देना है। यदि हम बच्चों को यह सिखाते हैं कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है, तो साथ ही यह भी सिखाना होगा कि न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार से लड़ने में कैसी भूमिका निभाई है, उसने प्रशासनिक दुरुपयोग पर कैसे अंकुश लगाया है, नागरिक अधिकारों की रक्षा में कैसे ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। एक बार फिर शिक्षा से जुड़ा एक प्रश्न राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है। शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा प्रकाशित आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका शीर्षक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और लंबित मुकदमों का उल्लेख किए जाने पर भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने नाराजगी प्रकट की। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की यह टिप्पणी कि किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने नहीं दिया जाएगा। केवल एक भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि संस्थागत गरिमा की रक्षा का संकेत है। इसके बाद संबंधित अध्याय को हटाने और बाजार में उपलब्ध पुस्तकों को वापस लेने का निर्णय लिया गया। प्रश्न यह है कि क्या यह केवल एक संपादकीय चूक थी या हमारे शैक्षिक ढांचे में कहीं गहरी संरचनात्मक कमी है प्रश्न है कि स्कूली बच्चों को 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' के बारे में जानकारी देने से किस हित की पूर्ति होने वाली है? लेकिन इसमें दो मत नहीं है कि न्यायिक तंत्र के साथ हर क्षेत्र में फैली भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के ठोस उपाय होने ही चाहिए। सबसे पहले यह भी स्वीकार करना होगा कि न्यायपालिका में लंबित मामलों और भ्रष्टाचार जैसे प्रश्न पूरी तरह काल्पनिक नहीं हैं। न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या करोड़ों में है, यह एक सार्वजनिक तथ्य है। कुछ मामलों में न्यायिक आचरण पर भी प्रश्न उठे हैं। परंतु उतना ही सत्य यह भी है कि भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर अपनी स्वतंत्रता, पारदर्शिता और सक्रियता से लोकतंत्र की रक्षा की है। पिछले वर्षों में शीर्ष न्यायाधीशों द्वारा अपनी संपत्तियों का सार्वजनिक विवरण देने की सहमति जैसे कदमों ने संस्थागत पारदर्शिता को सुदृढ़ किया है। ऐसे में प्रश्न यह नहीं है कि समस्या है या नहीं, प्रश्न यह है कि उसे किस भाषा, किस संतुलन और किस शैक्षिक दृष्टि से प्रस्तुत किया जाए। शिक्षा का उद्देश्य केवल तथ्य देना नहीं, दृष्टि देना है। यदि हम बच्चों को यह सिखाते हैं कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है, तो साथ ही यह भी सिखाना होगा कि न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार से लड़ने में कैसी भूमिका निभाई है, उसने प्रशासनिक दुरुपयोग पर कैसे अंकुश लगाया है, नागरिक अधिकारों की रक्षा में कैसे ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। शिक्षा में आलोचना हो, पर निराशा नहीं, तथ्य हों, पर संतुलन भी हो। यदि किसी अध्याय में केवल संस्थागत विकृतियों का उल्लेख हो और सुधारात्मक प्रयासों, आदर्श उदाहरणों और संवैधानिक मूल्यों का समुचित विवेचन न हो, तो वह शिक्षा में मूल्यों एवं आदर्शों के बजाय अविश्वास का बीजारोपण बन सकता है।

> शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा प्रकाशित आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका शीर्षक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और लंबित मुकदमों का उल्लेख किए जाने पर भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने नाराजगी प्रकट की। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की यह टिप्पणी कि किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने नहीं दिया जाएगा।

यह विवाद एक बड़े प्रश्न को भी जन्म देता है-पाठ्य पुस्तकों की निर्माण प्रक्रिया में बहुस्तरीय समीक्षा के बावजूद ऐसी सामग्री कैसे प्रकाशित हो जाती है? क्या संपादकीय बोर्ड में विविध दृष्टिकोणों का अभाव है? क्या विधि विशेषज्ञों, शिक्षाशास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों के बीच समन्वय पर्याप्त नहीं है? एक लोकतांत्रिक समाज में संस्थाओं की आलोचना वर्जित नहीं हो सकती, पर आलोचना और अवमूल्यन के बीच महीन रेखा होती है। शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी जैसी संस्थाओं का दायित्व है कि वे इस रेखा को पहचानें। यह भी स्मरणीय है कि भ्रष्टाचार केवल न्यायपालिका तक सीमित समस्या नहीं है। हाल ही में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की इसी महीने जारी रिपोर्ट के मुताबिक करप्शन परसेप्शन इंडेक्स में 182 देशों के बीच भारत की रैंक 91 है। पिछले साल के मुकाबले भारत ने 5 स्थान का सुधार किया है, यह स्थिति सुधार के बावजूद मध्य स्तर पर बनी हुई बताई गई है। इसका अर्थ है कि भ्रष्टाचार एक संरचनात्मक, सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती है। यदि हम बच्चों को इसके बारे में पढ़ाते हैं तो उसे एक समग्र सामाजिक संदर्भ में पढ़ाया जाना चाहिए कि यह समस्या क्यों उत्पन्न होती है, इसे रोकने के लिए क्या संवैधानिक तंत्र हैं, नागरिकों की क्या भूमिका है और सुधार की संभावनाएं क्या हैं।

शहरी चुनौती कोष भारत के शहरों को किस तरह दे सकता है नया रूप

श्रीनिवास कटिकिथला

भारत के शहरीकरण का सफर निर्णायक मोड़ पर है। आज देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शहरों का बड़ा योगदान है, ये देश के सबसे गतिशील आर्थिक केंद्रों का केंद्र हैं और लाखों लोगों के जीवन स्तर को लगातार प्रभावित कर रहे हैं। फिर भी, ये शहर बुनियादी ढांचे की कमी, जलवायु परिवर्तन के खतरे, वित्तीय बाधाओं और संस्थागत बिखराव जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अब चुनौती यह नहीं है कि भारत का शहरीकरण होगा या नहीं, बल्कि यह है कि क्या भारत का शहरीकरण प्रभावी, टिकाऊ और समावेशी तरीके से हो पाएगा।

हाल ही में स्वीकृत शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) इस प्रश्न के उत्तर देने के भारत के नज़रिए में एक अहम बदलाव का प्रतीक है। वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक 1 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता राशि और करीब 4 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश को प्रेरित करने की अपेक्षित योजना के साथ, यह कोष पारंपरिक अनुदान-आधारित वित्तपोषण से हटकर, शहरी ढ़ांचागत विकास के लिए बाजार-आधारित, सुधार-संचालित और परिणाम पर आधारित ढांचे की ओर बदलाव का प्रतीक है।

अनुदान से बाजार अनुशासन की ओर

शहरी चुनौती कोष की संरचना उसे पूर्व के कार्यक्रमों से अलग करती है। केंद्रीय सहायता परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक सीमित है और शहरों को कम से कम 50 प्रतिशत राशि नगरपालिका बांड, बैंक ऋण या सार्वजनिक-निजी भागीदारी जैसे बाजार स्रोतों से जुटानी होगी। बाकी राशि राज्यों, शहरी स्थानीय निकायों या अन्य वित्तपोषण माध्यमों से आ सकती है। यह आवश्यकता कार्यक्रम के मूल में वित्तीय अनुशासन को स्थापित करती है। यह संकेत देती है कि शहरी अवसंरचना अब केवल सार्वजनिक बजट पर निर्भर नहीं रह सकती, इसे राजस्व समर्थित परियोजनाओं के ज़रिए पूंजी बाजारों तक ज्यादा से ज्यादा पहुंच बनानी होगी। ऐसा करके, यह कोष ढ़ांचागत महत्वाकांक्षाओँ के साथ राजकोषीय संयम का तालमेल बिठाने की कोशिश करता है।

यह कोष तीन विशिष्ट क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के शहरी परिदृश्य की बदलती प्राथमिकताओं को दर्शाते हैं।

पहला क्षेत्र है विकास केंद्र के रूप में शहरों को देखना। इसके तहत यह माना जाता है कि शहरी क्षेत्र आर्थिक इंजन हैं। यह एकीकृत स्थानिक और पारगमन योजना, आर्थिक गलियारों के साथ अवसंरचना और औद्योगिक, पर्यटन या लॉजिस्टिक्स क्लस्टर जैसे मजबूत आर्थिक आधारों के विकास का समर्थन करता है। इसका मकसद केवल परिसंपत्तियों का निर्माण करना नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धात्मकता और उत्पादकता को भी बढ़ाना है।

दूसरा क्षेत्र, शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास, भारतीय शहरीकरण की एक लंबे समय से चली आ रही चुनौती, ऐतिहासिक केंद्रों और केंद्रीय व्यावसायिक जिलों में भीड़भाड़ और गिरावट - का समाधान करता है। ब्राउनफील्ड पुनर्जनन, पारगमन आधारित विकास और सार्वजनिक भूमि के पुनर्गठन को प्रोत्साहित करके, यह कोष मौजूदा शहरी क्षेत्रों के भीतर मूल्यों को उजागर करने का प्रयास करता है। यह भूमि मूल्य अधिग्रहण और संरचित पुनर्विकास मॉडल के तर्क को पेश करता है, जिससे शहर सांस्कृतिक और विरासत चरित्र को संरक्षित करते हुए कम उपयोग वाली संपत्तियों को नवीनीकरण के चालक में बदला जा सकता है।

तीसरा क्षेत्र जल और स्वच्छता पर केंद्रित है, जहां सेवा संतृप्ति, अपशिष्ट जल पुन: उपयोग, बाढ़ शमन और विरासत अपशिष्ट स्थलों के उपचार पर जोर दिया जाता है। इस ढांचे में जलवायु में बदलाव समाहित है, यह मानते हुए कि चरम मौसम की घटनाएं और पर्यावरणीय तनाव शहरी भेद्यता को नया रूप दे रहे हैं।

छोटे शहरों को वित्तीय मुख्यधारा में लाना

शहरी चुनौती कोष के सबसे नवोन्मेषी तत्वों में से एक 5,000 करोड़ रुपए की ऋण चुकौती गारंटी योजना है। पहली

बार, छोटे शहरी स्थानीय निकायों, खास तौर पर एक लाख से कम आबादी वाले, साथ ही पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के शहरों, को संरचित केंद्रीय गारंटी के साथ बाजार वित्त तक पहुंच प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा रहा है।

प्रारंभिक उधार को जोखिम मुक्त करके, यह योजना छोटी नगरपालिकाओं के लिए प्रवेश संबंधी बाधाओं को कम करती है और ऋणदाताओं को विश्वास दिलाती है। ऐसा करके, यह शहरी स्थानीय निकायों को अंतर-सरकारी हस्तांतरणों पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय, पूंजी बाजारों का लाभ उठाने में सक्षम विश्वसनीय वित्तीय संस्थाओं के रूप में दोबारा स्थापित करना शुरू करती है।

सुधार ही आधार

यूसीएफ के तहत केंद्रीय सहायता प्राप्त करना शासन, वित्तीय और नियोजन सुधारों पर निर्भर है। शहरों से अपेक्षा की जाती है कि वे साख में सुधार करें, परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणालियों को मज़बूत करें, सेवा वितरण को डिजिटल बनाएं, परिचालन दक्षता बढ़ाएं और एकीकृत भूमि उपयोग तथा गतिशीलता नियोजन ढांचे अपनाएं।

वित्तपोषण लक्ष्यों और मापने योग्य नतीजों से जुड़ा है और लगातार सुधार बाद के संवितरणों के लिए एक पूर्व शर्त है। यह दृष्टिकोण यह दिशा में प्रयास करता है कि अवसंरचना निर्माण के साथ-साथ संस्थागत सुदृढ़ीकरण भी हो, जिससे कमजोर रखरखाव या कुप्रबंधन के कारण परिसंपत्तियों के क्षय का जोखिम कम हो।

शहरी चुनौती कोष शहरी विकास में निजी क्षेत्र की भूमिका को भी पुनर्परिभाषित करता है। बाजार वित्तपोषण को अनिवार्य बनाकर और संरचित जोखिम-साझाकरण व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करके, यह डिजाइन, वित्तपोषण और संचालन में निजी भागीदारी को और अधिक व्यापक बनाता है।

परियोजना तैयारी सहायता, लेनदेन सलाहकार सहायता और डिजिटल निगरानी प्रणालियों का मकसद परियोजना की व्यवहार्यता और निवेशकों के विश्वास को मजबूत करना है। अगर इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो यह भारत के नगरपालिका बांड बाजार को और बड़ा कर सकता है और शहरी अवसंरचना के लिए वित्तपोषण आधार को व्यापक बना सकता है।

सहयोगात्मक कार्यान्वयन मॉडल

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने इस निधि को एक व्यापक हितधारक व्यवस्था के तहत रखा है। राज्यों, शहरी स्थानीय निकायों, वित्तीय संस्थानों, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों और निजी विकासकर्ताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे एक प्रतिस्पर्धी, चुनौती-आधारित प्रक्रिया के ज़रिए इसमें शामिल हों, जो तत्परता और नवाचार को पुरस्कृत करती है।

राष्ट्रीय, राज्य और शहर स्तर पर क्षमता निर्माण के प्रावधान इस ढांचे में अंतर्निहित हैं, यह मानते हुए कि वित्तीय मदद तक पहुंच के साथ-साथ तकनीकी और प्रबंधकीय दक्षता भी ज़रुरी है। डिजिटल निगरानी प्लेटफॉर्म से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने और परिणाम-आधारित शासन को मज़बूत करने की अपेक्षा की जाती है।

भविष्य के लिए तैयार शहरों की राह

आगामी दशकों में भारत की शहरी आबादी में खासी वृद्धि होने वाली है और इसके साथ ही बुनियादी ढांचे की मांग भी बढ़ेगी। शहरी चुनौती कोष इसी दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आर्थिक विकास, जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता और राजकोषीय स्थिरता को एक ही ढांचे में एकीकृत करने का प्रयास करता है।

आखिरकार क्या यह कोष भारत के शहरी विकास की दिशा बदल पाएगा, यह इसके क्रियान्वयन पर ही निर्भर करेगा। लेकिन इसका मकसद साफ है। शहरी चुनौती कोष शहरीकरण को एक वित्तीय बोझ के रूप में नहीं, बल्कि एक निवेश के अवसर के रूप में देखता है, जिसका लाभ उठाया जा सकता है। बाजार अनुशासन, सुधार प्रोत्साहन और मापने योग्य परिणामों को अपने डिजाइन में शामिल करके, यह भारत के शहरी परिवर्तन के अगले चरण को गति प्रदान करना चाहता है, एक ऐसा चरण जिसमें शहर सशक्त, प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तैयार विकास केंद्रों में विकसित हों।

(लेखक आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव हैं)

एआई की हांडी टूटी, श्वान की किस्मत फूटी

साहीराम

कमाल असल में यही होने जा रहा है जनाब कि एआई की वजह से इंसान चर्चा से बाहर जाने को है और कुत्ते चर्चा में आने को हैं। कुत्ते मतलब-रोबोट वगैरह।

देखिए जी, वैसे तो कहावत यह है कि दो पैसे की हांडी गई, कुत्ते की जात पहचानी गई। कुत्ते की यह जात हम इंसानों की तरह से सवर्ण और अवर्णवाली नहीं होती। मतलब वहां जाति व्यवस्था नहीं है। वर्ग व्यवस्था अलबत्ता है। एक वर्ग है सड़क पर रहने वाले आवारा कुत्तों का और एक वर्ग है घरों, कोठियों और फ्लैटों में रहने वाले पालतू कुत्तों का, जो कुत्ते कम होते हैं और घर के सदस्य ज्यादा होते हैं। बल्कि कई बार तो घर के सदस्यों से भी ज्यादा अहम होते हैं। खैर, फर्क यही है जनाब हमारे यहां बंटवारा जाति से होता है, उनके यहां वर्ग से होता है। क्या ही अच्छा होता कि हमारे यहां भी यह भेद वर्ग से होने लगता।

खैर, इधर कुत्तो फिर चर्चा में आ गया। थोड़े दिन पहले अदालत की वजह से चर्चा में आया था, इस बार एआई की वजह से चर्चा में आ गया। कमाल असल में यही होने जा रहा है जनाब कि एआई की वजह से इंसान चर्चा से बाहर जाने को है और कुत्ते चर्चा में आने को हैं। कुत्ते मतलब-रोबोट वगैरह। जैसे एआई से बिना ड्राइवर के गाड़ियां चलेंगी और आपके

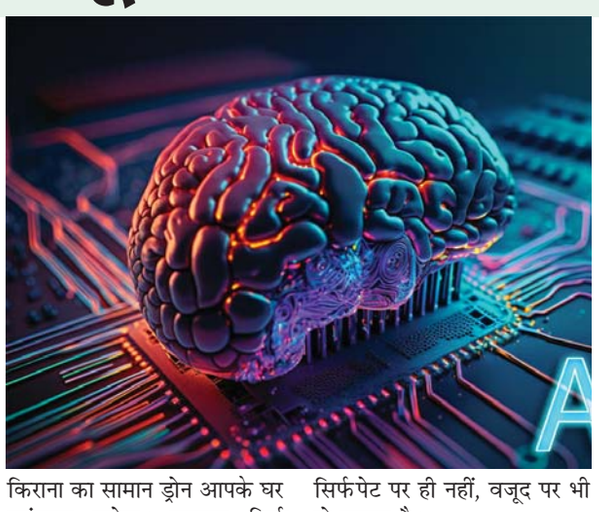

किराना का सामान ड्रोन आपके घर पहुंचाया करेगा। समस्या सिर्फ इतनी-सी नहीं है कि नौकरियां खत्म हो जाएंगी। मतलब खतरा सिर्फ पेट पर ही नहीं, वजूद पर भी हो सकता है।

खैर, जो भी हो, जनाब यह चिंता तो सरकार करेगी। पर सरकार यह चिंता करती, उससे पहले ही कुत्ते ने उसे चिंता में डाल दिया। लेकिन इस बार जात कुत्ते ने नहीं दिखाई, उन गलगटियन ने दिखाई, जिनके बारे में कबीर बाबा कह गए हैं कि कबीरा तेरी झोपड़ी गलकटियन के पास, करनगे सो भरनगे, तू क्यों भया उदास। असल में उन्हें एक कुत्ता मिल गया था। उन्हें लगा कि यह वही कुत्ता है जो युधिष्ठिर को स्वर्ग के गेट तक लेकर गया था। सो उन्हें यकीन था कि स्वर्ग बस मिलने ही वाला है।

लेकिन यह कुत्ता परंपरागत कुत्तों की किसी श्रेणी में आता ही नहीं था। वह न पालतू था, पालतू होता तो मालिक की रस्सी से बंधकर घूमने निकलता। लेकिन वह आवारा भी नहीं था। वह तो गलकटियन को उस फर्जी डिग्री की तरह मिला था, जो अक्सर हमारे नेताओं के पास पायी जाती हैं। उन्हें फर्जी डिग्री तथा फर्जी कुत्ते में ज्यादा फर्क नहीं लगा होगा। लेकिन फर्जी डिग्री की तरह इस फर्जी कुत्ते को भी लोगों ने पहचान लिया और उसकी जात पता कर ली और बोले अरे यह तो चीनी है। खुद चीनियों ने भी फौरन कह दिया कि हां, यह तो हमारा है। वैसे इतनी जल्दी वे उन हथियारों के बारे में नहीं कहते कि हमारे हैं, जो वे पाकिस्तान वगैरह को देते हैं। खैर, इस चक्कर में जात कुत्ते की नहीं, गलकटियन की पहचानी गयी।

संसद में शालीन-जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत

विश्वनाथ सचदेव

जनतंत्र संवाद के माध्यम से चलता है। देश के मतदाता ने सरकार को ही नहीं चुना, विपक्ष को भी चुना है। इसलिए दोनों को अपनी बात कहने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। आज विडंबना यह भी है कि विपक्ष न बोलने देने की शिकायत कर रहा है।

लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव रखा गया है। संभवत: मार्च के दूसरे सप्ताह में सदन में इस पर बहस होगी और लोकसभा में सरकारी पक्ष और विपक्ष के गणित को देखते हुए यह लगभग तय है कि प्रस्ताव अस्वीकृत ही होगा, पर सदन में इस तरह का प्रस्ताव आना ही अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण है। स्पीकर ओम बिरला पर विपक्ष ने पक्षपातपूर्ण आचरण और नेता प्रतिपक्ष को न बोलने देने का आरोप लगाया है।

यह पहली बार नहीं है कि हमारी लोकसभा में अध्यक्ष पर पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगा है। अब तक तीन बार इस आशय के प्रस्ताव सदन में रखे गये हैं। वस्तुत: पहली लोकसभा में ही सन 1954 में तत्कालीन अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर के खिलाफऐसा प्रस्ताव आया था। फिर 1966 और 1987 में ऐसा प्रस्ताव रखा गया। तीनों ही बार यह प्रस्ताव संख्याबल के आधार पर खारिज हो गया था। पर यह बात अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं है कि लोकसभा के सदस्यों ने अपने विवेक के आधार पर ऐसा प्रस्ताव रखना ज़रूरी समझा था।

जब पहली बार लोकसभा के अध्यक्ष के खिलाफ इस आशय का प्रस्ताव आया तो 479

सदस्यों वाले सदन में सत्तारूढ़ कांग्रेस के 364 सदस्य थे। प्रस्ताव का अस्वीकृत होना स्पष्ट था। जब इस पर बहस हुई तो उपाध्यक्ष ने दो घंटे का समय निर्धारित किया था। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उपाध्यक्ष से आग्रह किया था कि सत्तारूढ़ पक्ष को कम बोलना स्वीकार होगा, आप विपक्ष को अपनी बात रखने के लिए अधिकाधिक समय दें! देश के प्रथम प्रधानमंत्री का यह कथन हमारी जनतांत्रिक परंपरा का एक ज्वलंत उदाहरण है। इस परिप्रेक्ष्य में यदि हम आज की स्थिति को देखते हैं, तो कुछ हैरानी होना स्वाभाविक है और कुछ पीड़ा का अनुभव करना भी। आज विपक्ष का आरोप है कि उसे सदन में बोलने नहीं दिया जाता।

जनतंत्र संवाद के माध्यम से चलता है। देश के मतदाता ने सरकार को ही नहीं चुना, विपक्ष को भी चुना है। इसलिए दोनों को अपनी बात कहने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। आज विडंबना यह भी है कि विपक्ष न बोलने देने की शिकायत कर रहा है।

बहरहाल, सदन में एक अराजकता-सी स्थिति पैदा हो गयी है। यह स्थिति बदलनी ही चाहिए और इसका एकमात्र उचित तरीका यह है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे का सम्मान करने की जनतांत्रिक परंपरा का निर्वाह करें। जब सदन में बात करने का अवसर नहीं मिलता तो बात सड़क पर होती है। कई बार यह बात बहुत आगे बढ़ जाती है। दिल्ली में कृत्रिम मेधा के वैश्विक सम्मेलन में स्थिति कुछ ऐसे ही हो गयी थी जब कांग्रेस के दस-बीस कार्यकर्ता अपनी टी-शर्ट उतार कर प्रदर्शन कर रहे थे। विरोध प्रदर्शन यह रूप न लेता तो अच्छा था, पर ऐसा भी नहीं है कि इस प्रदर्शन से कोई पहाड़ टूट पड़ा है। दुनिया भर में, हमारे देश में भी, अक्सर विपक्ष ऐसे प्रदर्शन करता रहा है। वस्तुत: विरोध-प्रदर्शन जनता की व्यवस्था का एक जायज अधिकार है और इस तरह के प्रदर्शनों से कोई देश शर्मसार नहीं होता।

वे और बातें हैं जिनसे कोई देश शर्मिंदा होता है, या उसे शर्मिंदा होना चाहिए। जब देश के अस्सी करोड़ लोग अपना पेट भरने के लिए सरकार के मुफ्त अनाज पर निर्भर करते हैं, तब देश शर्मिंदा होता है। जब देश में युवाओं की बेरोज़गारी के आंकड़ों का ग्राफ बढ़ने लगता है, तब देश को शर्म आनी चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और भारत की एंप्लॉयमेंट रिपोर्ट के अनुसार आज देश के 83 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं। इन बेरोजगारों में स्नातकों की संख्या लगभग 30 प्रतिशत है। सरकारी संस्थानों में चपरासी के पद के लिए स्नातक और परास्नातक स्तर के छात्र आवेदन कर रहे हैं। इस तरह के तथ्य किसी देश को शर्मिंदा करते हैं। टी-शर्ट उतारने से बात नहीं बिगड़ती। टी-शर्ट तो हमारे क्रिकेट कप्तान ने भी तब उतारी थी जब इंग्लैंड में हमारी टीम ने विजय प्राप्त की थी। यह अपना उत्साह या अपनी हताशा प्रकट करने का भी एक तरीका होता है। इसे नंगई कहना ग़लत है।

हैरानी तो तब होती है जब देश का शीर्ष नेतृत्व इस परिप्रेक्ष्य में हल्की भाषा का उपयोग करता है। एक जवाहरलाल नेहरू थे जिन्होंने कहा था कि विपक्ष को अपनी बात कहने का अधिक अवसर मिलना चाहिए। यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि सदन में विपक्ष की संख्या बहुत कम है, इसलिए सत्तारूढ़ कांग्रेस के सांसदों को जागरूक रहकर विपक्ष की भूमिका भी निभानी चाहिए, ताकि सरकार व्यर्थ का गर्व न करने लगे। यह व्यर्थ का गर्व किसी भी शासक के लिए उचित नहीं कहा जा सकता। गर्व की जगह घमंड शब्द काम में लें तो बात आसानी से समझ आ जाती है।

एक बात और है जिसका ध्यान रखा जाना जरूरी है। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ रखा गया अविश्वास का प्रस्ताव भले ही संख्या-बल को देखते हुए सफल न हो पाये, पर किसी अध्यक्ष के खिलाफ 'पक्षपातपूर्ण व्यवहार' का आरोप लगना भी अपने आप में अफसोस की बात ही होती है। लोकसभा में एक लंबे अर्से से सही तरीके से काम नहीं हो पा रहा। विपक्ष द्वारा मचाये जाने वाले शोर- शराबे से किसी को एतराज हो सकता है, पर जनतांत्रिक परंपराओं का तकाज़ा है कि नेता विपक्ष को बोलने न देने के आरोप को गंभीरता से लिया जाये। नेता विपक्ष सामान्य सदस्य नहीं होता, जहां उससे अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी जिम्मेदारी को समझेगा, वहीं सत्तारूढ़ पक्ष का भी दायित्व बनता है कि वह नेता प्रतिपक्ष की महत्ता को समझे।

लोकसभा या राज्यसभा के पीठासीन अधिकारियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपने व्यवहार से सभी पक्षों का विश्वास जीतेंगे। इसी तरह सत्तारूढ़ पक्ष के सांसदों से भी यह अपेक्षा की जाती है कि वह संसदीय मर्यादाओं का पालन करेंगे। पिछले एक अर्से में कई सदस्यों का व्यवहार शालीनता और जिम्मेदारी की सीमाओं का अतिक्रमण करता दिखता है। यह सही है कि सांसदों को यह अधिकार है कि वह संसद में कुछ भी कह सकते हैं, पर इस 'कुछ भी' पर पीठासीन अधिकारियों और स्वयं उनके विवेक का नियंत्रण रहना ही चाहिए। देश को यदि शर्मिंदा होना है तो इस अनियंत्रित व्यवहार पर होना चाहिए। संसद ही नहीं, हमारे मंत्री भी मर्यादाओं का उल्लंघन करते दिखे हैं। शर्म इस उल्लंघन पर आनी चाहिए।

हमारे नेता 'नंगई' शब्द का उपयोग किस अर्थ और किस संदर्भ में करते हैं, वे ही जानें, पर उन्हें इस बात का ध्यान तो रखना ही चाहिए कि उनका व्यवहार और उनके द्वारा उच्चारे गये शब्द किसी भी दृष्टि से घटिया न लगें। जब कभी ऐसा लगता है, शर्म आती है हमें। देश ऐसी ही बातों से शर्मिंदा होता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

सीएसवीटीयू की शतरंज टीम एआई खेलने रवाना हुई

भिलाई। सीएसवीटीयू भिलाई की पुरुष और महिला शतरंज टीम अखिल भारतीय पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना हुई। पुरुष वर्ग में अभिनव कुमार बिंद्रा, अर्पित कुमार सिंह, आयुष सिंह, गुंजन देवांगन और मानस सिंह टीम मैनेजर अर्जुन सिंह तथा टीम कोच शुभम सोनी के मार्गदर्शन में केआईएसएस यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर के लिए रवाना हुए। वहीं महिला वर्ग में धारिणी साहू, मीमांसा पांडेय, नित्या तिवारी, ओमी जैन एवं वासुकी दुबे टीम मैनेजर युगल किशोर एवं कोच सुमित्रा मंडावी के साथ पश्चिम बंगाल स्थित एडमास यूनिवर्सिटी, कोलकाता के लिए रवाना हुईं। महिला वर्ग की प्रतियोगिता 2 से 4 मार्च तक आयोजित होगी।

अतिक्रमण : 6 मीटर की सर्विस रोड 2 मीटर में सिमटी

भिलाई। नेशनल हाइवे की सर्विस रोड अब अवैध कब्जे की लेन बन चुकी है। कोसानाला से लेकर पावर हाउस तक इसपर दुकानों, कार-वर्कशॉप, पान ठेलों और कार वॉश सेंटरों ने कब्जा जमा रखा है। कई जगहों पर सर्विस लेन पूरी तरह गायब हो चुकी है। जहां सड़क दिखती भी है, वहां दोनों ओर कब्जे की वजह से रास्ता मात्र दो मीटर या उससे भी कम रह गया है।

सिविक सेंटर में सुर संगीत संगम की संगीत संध्या आज

भिलाई। सुर संगीत संगम मेलोडी मेकर्स और ऑफिसर्स एसोसिएशन बीएसपी के संयुक्त तत्वावधान में 115वें अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सांगीतिक संध्या लता मंगेशकर नाईट का आयोजन 1 मार्च को शाम 6:30 बजे से प्रगति भवन, सिविक सेंटर, भिलाई में किया जा रहा है। शिप्रा मंडल, रुपाली सखारे, अलका शर्मा, माया बैनर्जी, रीतू मिश्रा, तृप्ति साहू, मंजीता भारद्वाज, शाहीन खान, दीपा बोकाडे, रश्मि घाटे और नमिता गांगुली लता के सुपरहिट एवं सदाबहार नगमों की प्रस्तुतियां देंगी।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का संवाद कार्यक्रम 5 मार्च को

भिलाई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत समाज के प्रमुखजनों के साथ समसामयिक एवं सामाजिक विषयों पर संवाद का विशेष आयोजन 5 मार्च गुरुवार को दोपहर 2 बजे किया जाएगा। यह कार्यक्रम एसएनजी स्कूल ऑडिटोरियम, सेक्टर-4, भिलाई में आयोजित होगा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संघ के अखिल भारतीय सह बौद्धिक शिक्षण प्रमुख दीपक विस्पूते होंगे।

बीएसपी में सेवा सदस्यों के दुर्घटनाजनित निधन के लिए आज 1 मार्च से 30 लाख रुपये का बीमा कवरेज

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत कार्मिकों की एक प्रमुख कल्याणकारी संस्था, स्टील इम्पलाईज वेलफेयर एसोसिएशन (सेवा), जो समय-समय पर अपने सदस्यों को अधिक से अधिक सहायता प्रदान करने का प्रयास करती है। इसी प्रयास के तहत, 13 जनवरी 2026 को सम्पन्न सेवा शासीनिकाय की विशेष बैठक में यह निर्णय लिया गया कि दुर्घटनाजनित निधन के लिए सामूहिक बीमा कवरेज प्राप्त किया जाएगा। इसके लिए बीमा कंपनी नेशनल एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से 01 मार्च 2026 से 28 फरवरी 2027 (एक वर्ष) की अवधि के लिए बीमा कराने का निर्णय लिया गया है। इस बीमा पॉलिसी के अंतर्गत, प्रत्येक सेवा सदस्य को रू. 30 लाख का बीमा कवरेज मिलेगा।

बीमा प्रीमियम प्रति सेवा सदस्य रू. 1475/- (जीएसटी सहित) निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में रू. 295/- कम है। जबकि पिछले वर्ष भी बीमा कवरेज रू. 30 लाख ही था।

आज, दिनांक 28 फरवरी 2026 को एक साधारण समारोह में ईडी एचआर सभागार में, ईडी (मानव संसाधन) पवन कुमार द्वारा जीपीएआईएस संबंधित चेक 1,81,95,600/- (एक करोड़ इक्यासी लाख पंचानवे हजार छः सौ रुपये) बीमा कंपनी को सौंपा गया। इस कार्यक्रम में सीजीएम (सी एंड आईटी) समीर गुप्ता, जीएम प्रभारी (एचआर) एवं अध्यक्ष (सेवा) जे एन ठाकुर, उपाध्यक्ष (सेवा) बृज बिहारी मिश्रा, डीजीएम (एचआर-कर्मचारी सेवाएँ) एवं सचिव (सेवा) मनीष पंत, डीजीएम (वित्त एवं लेखा) एवं कोषाध्यक्ष (सेवा) एन आशा, महाप्रबंधक (एचआर सचिवालय) सौमिक डे, महाप्रबंधक (एचआर-मील सर्विसेस एंड वेलफेयर) संजय द्विवेदी, पीटर एस आनंद, आदित्य दुबे, हरी राम यादव सहित अन्य सेवा शासीनिकाय के सदस्य एवं बीमा कंपनी के पदाधिकारी सुरेश साहू, सुनील देवांगन तथा जीतेंद्र कोहली उपस्थित थे।

बीएसपी के कोक ओवन विभाग में कार्य-विशिष्ट सुरक्षा पर केंद्रित प्रदर्शनी आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में 26 फरवरी 2026 को सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग एवं मेसर्स उदयोगी प्लास्टिक प्रा. लि., कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई), सीमित स्थान (कान्फाइंड स्पेस) में कार्य एवं ऊँचाई पर कार्य से संबंधित दो दिवसीय विशेष सुरक्षा प्रदर्शनी स्टॉल का उद्घाटन वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसीडी) तुलाराम बेहेरा, मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी) देबदत्त सतपथी, महाप्रबंधक प्रभारी (ऑपरेशन- कोक ओवन) झगर सिंह, महाप्रबंधक प्रभारी (सुरक्षा अभियांत्रिकी) एस के अग्रवाल सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

इस पहल का उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों को सुदृढ़ करना तथा उच्च जोखिम वाले परिचालन क्षेत्रों में जोखिम-विशिष्ट सुरक्षा उपायों को बढ़ावा देना है।

प्रदर्शनी में संवेदनशील परिचालन

क्षेत्रों में औद्योगिक कार्यों से संबंधित जोखिमों को ध्यान में रखते हुए उन्नत एवं कार्य-विशिष्ट व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों की व्यापक श्रृंखला प्रदर्शित की गई। मेसर्स उदयोगी प्लास्टिक प्रा. लि., कोलकाता के विशेषज्ञों द्वारा ऊँचाई पर कार्य, सीमित स्थान में प्रवेश, विद्युत अनुरक्षण कार्य एवं अन्य जोखिमपूर्ण औद्योगिक गतिविधियों के लिए उपयुक्त पीपीई उत्पादों के लाइव डेमो एवं प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए गए।

तकनीकी संवाद सत्रों के दौरान विशेषज्ञों ने पीपीई के उचित चयन, परीक्षण, उपयोग तथा अनुरक्षण से संबंधित विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जोखिम नियंत्रण की पदानुक्रम प्रणाली में पीपीई 'अंतिम सुरक्षा कवच' के रूप में कार्य करता है, इसलिए वैधानिक सुरक्षा प्रावधानों एवं सर्वोत्तम कार्य-पद्धतियों का कड़ाई से पालन अनिवार्य है।

लाइव प्रदर्शन के माध्यम से कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों एवं संविदा कर्मियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हुआ, जिससे जोखिम न्यूनीकरण उपायों तथा सुरक्षा अनुपालन की आवश्यकताओं के प्रति उनकी समझ विकसित करने में सहायता मिलेगी।

वरिष्ठ अधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सतत जागरूकता कार्यक्रमों एवं व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से सक्रिय सुरक्षा संस्कृति को प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार की पहलें विभाग के 'शून्य दुर्घटना' के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी।

26 से 27 फरवरी 2026 तक आयोजित इस सुरक्षा प्रदर्शनी के माध्यम से कर्मचारियों एवं संविदा श्रमिकों को सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ प्रत्यक्ष संवाद का अवसर मिला। साथ ही उन्होंने उन्नत पीपीई उपकरणों का अवलोकन कर कार्य-विशिष्ट सुरक्षा उपायों एवं सुरक्षित कार्य-पद्धतियों के प्रति अपनी समझ को और अधिक सुदृढ़ किया। टीम कोकओवन ने सतत सुरक्षा उन्नयन के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए सभी कर्मचारियों एवं हितधारकों से सुरक्षा संबंधी पहलों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

निगम मुख्यालय में 2 मार्च को सजेगी फूलों की होली, फूलों की खुशबू संग

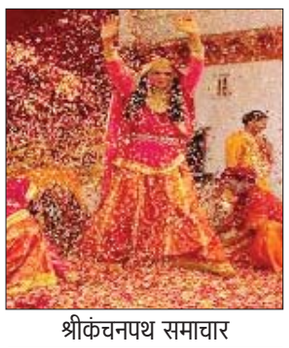

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 02 मार्च, सोमवार को निगम मुख्य कार्यालय परिसर में फूलों की होली मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा।

महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कार्यक्रम की तैयारी को लेकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी तय कर आवश्यक दायित्व सौंप दिए हैं।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि प्रतिवर्ष की भांति इस बार निगम परिसर में फूलों की होली का आयोजन किया जाएगा, जिसमें रंगों की जगह पुष्प वर्षा कर आपसी प्रेम, सौहार्द और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा।

महापौर ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि भाईचारे और एकता का प्रतीक है। रासायनिक रंगों से होने वाले दुष्प्रभावों को देखते हुए निगम ने इस बार प्राकृतिक और पर्यावरण अनुकूल तरीके से होली मनाने का निर्णय लिया है।

कार्यक्रम में निगम के जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, अधिकारी-कर्मचारी तथा शहर के गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। सामूहिक पुष्प वर्षा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिससे आपसी समन्वय और सहयोग की भावना और मजबूत होगी।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि जैसे शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए निगम लगातार कार्य कर रहा है, वैसे ही त्योहारों को भी सकारात्मक संदेश के साथ मनाया जाना चाहिए। फूलों की होली से मोर शहर, मोर जिम्मेदारी का संदेश भी सशक्त रूप से सामने आएगा।

महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने सभी शहरवासियों से अपील की है कि वे सुरक्षित, पर्यावरण हितैषी और भाईचारे के साथ होली मनाएं तथा शहर को स्वच्छ रखने में सहयोग करें। फूलों की होली के माध्यम से शहरवासियों को स्वच्छ और सुरक्षित त्योहार मनाने की प्रेरणा दी जाएगी।

आईआईएम स्थापना दिवस पर शोधपत्रों की प्रस्तुति

■ ग्रीन रेनोवेशन एंड इनोवेशन्स विषय पर नवाचारों की प्रभावी प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स (आईआईएम) के 80वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आईआईएम भिलाई चैप्टर द्वारा 24 फरवरी को बीएसपी के एचआर -लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर में तकनीकी शोधपत्र प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन ईडी (वर्क्स), बीएसपी एवं अध्यक्ष, आईआईएम भिलाई चैप्टर राकेश कुमार के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

ग्रीन रेनोवेशन एंड इनोवेशन्स विषय पर आधारित इस प्रतियोगिता ने इस्पात उद्योग में पर्यावरणीय प्रदर्शन सुधार, ऊर्जा दक्षता संवर्धन तथा परिचालन उत्कृष्टता के लिए सतत एवं नवाचारी समाधान प्रस्तुत करने हेतु तकनीकी पेशेवरों को एक उत्कृष्ट अवसर उपलब्ध कराया। कुल 15 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए।

ईडी (वर्क्स) एवं अध्यक्ष, आईआईएम भिलाई चैप्टर राकेश कुमार ने इस्पात उद्योग के भविष्य निर्माण में सतत प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा संरक्षण उपायों एवं पर्यावरणीय उत्तरदायी नवाचारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

मूल्यांकन विशिष्ट विशेषज्ञों के पैनल द्वारा किया गया, जिनमें प्राचार्य, शासकीय महिला पॉलिटेक्निक, रायपुर डॉ. वर्षा पांड्या चौरसिया; प्रोफेसर (मैटेरियल साइंस एवं मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग), आईआईटी भिलाई डॉ. यज्ञेश शादंगी; पूर्व सीजीएम आईसी प्रभारी (आयरन), बीएसपी एवं उपाध्यक्ष, आईआईएम भिलाई चैप्टर तापस दासगुप्ता; तथा सीजीएम प्रभारी (एम एंड यू), बीएसपी बी. के. बेहरा शामिल थे।

साकार हो रहा महापौर अलका का सपना, इंदिरा मार्केट में मूर्त रूप लेने लगा सौंदर्यीकरण कार्य

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शहर के हृदय स्थल पुराने बस स्टैंड के सामने सड़क किनारे की तस्वीर अब पूरी तरह बदल चुकी है। कुछ माह पहले तक यह स्थान अतिक्रमण और अव्यवस्था का केंद्र बना हुआ था। ठेले-खोमचे और अस्थायी कब्जों के कारण यहां रोजाना ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती थी, जिससे खरीदारी के लिए आने वाले नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल सख्त निर्देश पर नगर निगम के बाजार विभाग और अतिक्रमण विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे से कब्जे हटवाए गए और जगह को पूरी तरह खाली कराया गया।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि 'मोर शहर मोर जिम्मेदारी' सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि शहर को संवारने का संकल्प है।

उन्होंने बताया कि निगम अधिकारियों और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत व सख्ती के साथ चलाए गए अभियान के तहत अतिक्रमण हटाया गया।

महापौर ने कहा कि जहां कभी अतिक्रमण के कारण ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती थी, आज वही स्थान सुंदर गार्डन, आकर्षक लाइटिंग और स्वच्छ वातावरण के साथ शहर की नई पहचान बन चुका है।

उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि शहर की सुंदरता और व्यवस्था बनाए रखने में सभी अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

इंदिरा मार्केट कपड़ा लाइन का बदला स्वरूप बड़ी मुश्किलों के बावजूद नगर निगम प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने अतिक्रमण हटवाकर इतिहास रचा। खाली कराई गई भूमि को यूं ही नहीं छोड़ा गया। सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत मनीष पारख ने 'मोर शहर मोर जिम्मेदारी' अभियान से प्रेरित होकर यहां एक सुंदर गार्डन विकसित कराया।

मनोहर ठाकुर ने बिखेरा सुरों का जादू, सुरमयी हुई शाम

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। अवकाश प्राप्त सेरोलॉजिस्ट मनोहर सिंह ठाकुर ने शनिवार की शाम को भिलाई वासियों के लिए यादगार बना दिया। वॉयस ऑफ रफी के रूप में मशहूर मनोहर ठाकुर ने रफी साहब के कालजयी गीतों को अपनी आवाज दी। जब उन्होंने 'न तन ले के लौटा, न मन ले के लौटा' गीत को अपने खूबसूरत अंदाज में प्रस्तुत किया तो श्रोताओं की आंखें नम हो गईं। 'जाने वालों जरा मुड़के देखो मुझे' से उन्होंने महफिल का दिल जीत लिया।

स्टील क्लब भिलाई एवं मेटलर्जिकल म्यूजिक मेकर्स द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने पांच गीत प्रस्तुत किए। विशिष्ट अतिथि के रूप में भिलाई ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सेफी

चेयरमैन नरेन्द्र कुमार बंछोर तथा पूर्व महासचिव परविन्दर सिंह में मौजूद रहे। स्टील क्लब के सचिव डी विजिथ तथा कोषाध्यक्ष अजय पाण्डेय भी अतिथि दीर्घा में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मेटलर्जिकल म्यूजिक मेकर्स के संयोजक ज्ञान चतुर्वेदी आए बहार बनके, अलका शर्मा ने आइए मेहरबान, रजनी आर्य ने वो भूली दास्तान, गार्गी तरफदार ने मरहमी सा चांद गीत प्रस्तुत किये। ट्रिपल एम की सीनियर मेम्बर शिखा मोइत्रा ने मनोहर सिंह ठाकुर के साथ एक युगल गीत तुम तो प्यार हो की सुन्दर प्रस्तुति दी।

ट्रिपल एम के अन्य कलाकारों में श्याम शेखर ने मंजिलें अपनी जगह हैं, सतीश जैन ये क्या हुआ, सपन कुंडू ने छू लेने दो नाजुक होठों को, बिपिन कुमार ने दिल हुम हुम करे, गरिमा सिन्हा ने पिया तू अब तो आ जा, अंजना विनादजी ने मेरे दिल में, अजय लोंधे ने मैं निगाहें तेरे, दीपक रंजन दास ने है अपना दिल तो आवारा प्रस्तुत किया। संजय मोरे ने गजल होश वालों को खबर क्या गाकर महफिल को यादगार बना दिया। कलाकार सतीश जैन ने एंकर के रूप में कार्यक्रम को बांधे रखा।

रायपुर से वायस ऑफ रफी मनोहर सिंह ठाकुर के साथ उनकी पत्नी कामिनीजी, हेमंत कुमार, एवं अन्य कलाकार भी मौजूद रहे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण

घोषणा पत्र

(फार्म-4)

1.प्रकाशन स्थान	भिलाई
2.प्रकाशन अवधि	सांध्य दैनिक
3.मुद्रक का नाम	राजेश अग्रवाल
(क्या भारतीय नागरिक है?)	हां
पता	क्वा.नं. 18/बी, सड़क-24, सेक्टर-7 भिलाई, जिला दुर्ग(छ.ग.)
4.प्रकाशक का नाम	राजेश अग्रवाल
(क्या भारतीय नागरिक है?)	हां
पता	क्वा.नं. 18/बी, सड़क-24, सेक्टर- 7, भिलाई, जिला दुर्ग(छ.ग.)
5.संपादक का नाम	राजेश अग्रवाल
(क्या भारतीय नागरिक है?)	हां
पता	क्वा.नं. 18/बी, सड़क-24, सेक्टर-7 भिलाई, जिला दुर्ग(छ.ग.)
6. उन व्यक्तियों के नाम पते जो समाचार पत्र के स्वामित्व हो तथा समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हो।	राजेश अग्रवाल क्वा.नं. 18/बी, सड़क-24, सेक्टर-7 भिलाई, जिला दुर्ग(छ.ग.)

मैं राजेश अग्रवाल घोषित करता हूँ कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सही है।

दिनांक: 01 मार्च 2026

(राजेश अग्रवाल)
प्रकाशक के हस्ताक्षर

खास खबर

किसानों को धान-मूल्य के अंतर की राशि का एकमुश्त भुगतान ऐतिहासिक कदम

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा ने छत्तीसगढ़ के 25 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में धान खरीदी के अंतर की राशि (बोनस) के रूप में 10 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि अंतरित किए जाने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की है। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर ने कहा कि यह निर्णय मोदी की 'गारंटी' को पूरा करने की दिशा में एक मील का पत्थर है। सरकार ने न केवल अपना वादा निभाया है, बल्कि प्रदेश के अन्नदाताओं के आर्थिक सशक्तीकरण की नई इबारत लिखी है। श्री ठाकुर ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी राशि सीधे किसानों के खातों में बिना किसी बिचौलिए के भेजी गई है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई जान आएगी और किसानों का जीवन स्तर ऊँचा उठेगा। भाजपा सरकार ने चुनाव के समय किए गए 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीदी के वादे को पूरा कर यह सिद्ध कर दिया है कि यह सरकार 'जो कहती है, वह करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का किसान अब कर्ज के बोझ से मुक्त होकर स्वाभिमान के साथ प्रगति कर रहा है। भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के इस निर्णय से किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और उनकी होली के रंग दोगुने हो गए हैं। अंतर राशि प्राप्त कर छत्तीसगढ़ के किसान अत्यंत आनंदित एवं उत्साहित हैं। यह निर्णय राज्य सरकार की किसान हितैषी नीति और अन्नदाताओं के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

भारतमाला परियोजना से गांवों की बदलेगी तस्वीर, स्थानीयों को मिलेगी प्राथमिकता

धमतरी। जिले में अधोसंरचना विकास को गति देने एवं स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा सतत पहल की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने नगरी विकासखंड के ग्राम करेहा में पंचायत पदाधिकारियों, युवाओं, महिला स्व-सहायता समूहों एवं ग्रामीणों के साथ बैठक कर भारतमाला परियोजना से संबंधित संभावनाओं एवं तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना के अंतर्गत क्षेत्र में प्रस्तावित सड़क विकास कार्यों से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि आसपास के गांवों में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे निर्माण कार्य, मशीन संचालन, आतिथ्य सेवा, वाहन संचालन एवं अन्य संबंधित क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वयं को तैयार करें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन द्वारा कौशल उन्नयन प्रशिक्षण, पंजीयन एवं मार्गदर्शन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। बैठक के दौरान महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने उनके कार्यों की सराहना की तथा कहा कि आगामी औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों से समूहों को आपूर्ति, खाद्य प्रसंस्करण, कैटरिंग एवं अन्य सेवाओं के माध्यम से जोड़ा जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समूहों के उत्पादों के विपणन एवं पैकेजिंग सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार पर बल देते हुए कलेक्टर ने ग्राम के हाई स्कूल को सर्वसुविधायुक्त बनाने, आधारभूत संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा डिजिटल शिक्षण सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए।

मंत्री राजेश अग्रवाल के निज सहायककौस्तुभ पांडेय को डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के निज सहायक कौस्तुभ पांडेय को डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त होने पर उनके शुभचिंतकों, सहयोगियों एवं शिक्षाजगत में हर्ष का वातावरण है। यह उपाधि उन्हें सहायक प्राध्यापक डॉ. स्नेहलता निर्मलकर के मार्गदर्शन में प्रदान की गई।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने श्री पांडेय को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सतत प्रयास और उच्च अध्ययन के प्रति समर्पण प्रेरणादायक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पांडेय अपनी विद्वत्ता एवं अनुभव से समाज और प्रशासनिक कार्यों में और अधिक सकारात्मक योगदान देंगे।

उल्लेखनीय है कि कौस्तुभ पांडेय वर्ष 2005 से शासकीय प्राथमिक शाला चांटीडीह, बिलासपुर में सहायक शिक्षक के रूप में पदस्थ हैं। वर्तमान में वे प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के निजी स्थापना में कार्यरत हैं। शैक्षणिक रूप से बहुमुखी प्रतिभा के धनी पांडेय ने बीकॉम, एमकॉम, एमए (हिन्दी), एमए (राजनीति शास्त्र) तथा डीएड की उपाधियाँ प्राप्त की हैं। अब पीएचडी की उपाधि अर्जित कर उन्होंने अपने शैक्षणिक सफर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जोड़ी है। श्री पांडेय के पिता रामकुमार पाण्डेय ने पुत्र की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे परिवार के लिए गौरव का क्षण बताया। उनकी पत्नी श्रद्धा पांडेय एवं उनके सहयोगी स्टाफ साथियों, शुभचिंतकों ने भी इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए इसे शिक्षा एवं समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है। शिक्षा, प्रशासन और सामाजिक दायित्वों के संतुलित निर्वहन के साथ पीएचडी की उपाधि प्राप्त करना न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह उन सभी के लिए प्रेरणा है जो निरंतर अध्ययन और आत्मविकास में विश्वास रखते हैं।

युवाओं को अध्यात्म से जोड़ने का अभिनव प्रयास है भजन क्लबिंग : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय ने भक्तों के संग खेली फूलों की होली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शाम राजधानी रायपुर स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित माधवास रॉक बैंड के 'बिगेस्ट भजन क्लबिंग' कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भजन क्लबिंग युवाओं को अध्यात्म से जोड़ने का एक अभिनव और सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है और युवाओं के कंधों पर ही देश एवं प्रदेश का भविष्य टिका हुआ है। ऐसे आयोजन युवाओं को भारतीय संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रसिद्ध भजन बैंड माधवास रॉक बैंड की संगीतमयी प्रस्तुति से पूरा वातावरण भक्ति भाव से सराबोर हो गया। राधा-कृष्णमय माहौल में मुख्यमंत्री श्री साय ने भी भक्तों के साथ फूलों की होली खेली। कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक चेतना मंच द्वारा किया गया था।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमें अपनी जड़ों और प्राचीन परंपराओं को कभी नहीं भूलना चाहिए। भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है और यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा उपस्थित हैं। उन्होंने कहा कि जब युवा अध्यात्म से जुड़ते हैं तो उनमें सकारात्मक ऊर्जा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण की भावना और अधिक सशक्त होती है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के किसानों के हित में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और राज्य की लगभग 80 प्रतिशत आबादी कृषि से जुड़ी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है, जो किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज प्रदेश के 25 लाख 28 हजार से अधिक अन्नदाता किसानों के खातों में 10 हजार 324 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई है। प्रदेश के 146 विकासखंडों में राशि अंतरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने बताया कि वे स्वयं बिल्हा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि होली से पहले किसानों के खातों में राशि पहुंचने से उनके परिवारजन हर्षोल्लास के साथ त्योहार मना सकेंगे।

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, अजय जामवाल, आलोक डंगस, सामाजिक चेतना मंच के अध्यक्ष उज्ज्वल दीपक सहित अन्य पदाधिकारी, इस्कॉन रायपुर से स्वामी सुलोचन प्रभुजी, स्वामी तमाल कृष्ण प्रभुजी, स्वामी निखिलापति प्रभुजी, स्वामी रघुपति दास तथा बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे।

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनाः मजबूत हुई आजीविका की राह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिले के विकासखण्ड लोरमी अंतर्गत ग्राम पंचायत औराबांधा में एक छोटी-सी पहल ने ग्रामीण आजीविका को नई दिशा दी है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत हितग्राही किसान किशन सिंह के खेत में निर्मित आजीविका डबरी आज जल संरक्षण, सिंचाई और मछली पालन का सशक्त माध्यम बन चुकी है। हितग्राही किशन सिंह ने बताया कि पहले सिंचाई के लिए पानी की कमी बनी रहती थी, लेकिन अब डबरी बनने से खेत में वर्षभर पानी उपलब्ध रहेगा और मछली पालन से आय भी बढ़ेगी।

जिले में कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं जिला पंचायत सीईओ श्री प्रभाकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में आजीविका डबरी न केवल जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि ग्रामीण आजीविका संवर्धन का भी प्रभावी माध्यम बन रहा है। योजना के तहत स्वीकृत 1.94 लाख रुपये की लागत से इस डबरी का निर्माण कराया गया। कार्य के दौरान कुल 792 मानव दिवस सृजित किए गए, जिससे स्थानीय मजदूरों को गांव में ही रोजगार मिला और पलायन में कमी आई। निर्मित डबरी अब खेतों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही है। वर्षा जल संचयन और भू-जल रिचार्ज के माध्यम से सिंचाई सुविधा सुनिश्चित हुई है, जिससे खरीफ और रबी दोनों मौसमों में फसल उत्पादन की संभावना बढ़ी है। पहले जहां पानी की कमी के कारण फसल प्रभावित होती थी, वहीं अब किसान आत्मविश्वास के साथ बहुफसली खेती की ओर अग्रसर है।

साथ ही, डबरी में मछली पालन की योजना से अतिरिक्त आय का स्थायी स्रोत विकसित हो रहा है, जो परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना रहा है। जिले में आजीविका संवर्धन की दृष्टि से आजीविका डबरी निर्माण की अभिनव पहल व्यापक स्तर पर क्रियान्वित की जा रही है। वर्ष 2025-26 हेतु कुल 285 डबरी निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 218 कार्य प्रारंभ हो चुके हैं और 20 पूर्ण किए जा चुके हैं।

शेष कार्यों को मार्च 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है। यह पहल जल संरक्षण के साथ-साथ कृषि, पशुपालन और मत्स्य पालन को एकीकृत कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्थायित्व प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सरगुजा जिला वुडबॉल संघ के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय मंच पर जलवा, जीते सिल्वर मेडल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भोपाल में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वुडबॉल प्रतियोगिता 2025-26 में सरगुजा जिला वुडबॉल संघ के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले को गौरवान्वित किया। संघ के प्रतिभाशाली खिलाड़ी संदीप सिन्हा एवं साक्षी कुमारी ने संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए मिक्स डबल इवेंट में शानदार प्रदर्शन कर सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि स्ट्रोक इवेंट मिक्स डबल इवेंट में संदीप सिन्हा और साक्षी कुमारी ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीतकर सरगुजा को गौरवान्वित किया है। विगत कई वर्षों से सरगुजा के खिलाड़ी वुडबॉल प्रतियोगिताओं में निरंतर पदक जीतते आ रहे हैं, जो संघ की नियमित प्रशिक्षण व्यवस्था और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है। दोनों खिलाड़ी के.आर. टेक्निकल कॉलेज में अध्ययनरत हैं। प्रतियोगिता में प्रीतम जायसवाल, प्रियांशु कुशवाहा, दीपक, निखिल गुप्ता एवं निशांत भगत तथा महिला वर्ग में अंजिल प्रीति टोप्पो, स्नेहा जायसवाल, श्रीजल जायसवाल, मोनालिसा तिग्गा एवं उर्मिला एक्का ने भी बेहतर प्रदर्शन किया।

उद्योग मंत्री ने शिवाजीनगर और एमपी नगर कॉलोनी को दी 14.42 करोड़ के अंडरग्राउंड सीवरेज लाइन की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा नगर विधायक और कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने आज कोरबा नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 25 शिवाजी नगर एवं वार्ड क्रमांक 27 महाराणा प्रताप नगर कॉलोनी की बहुप्रतीक्षित नई सीवरेज लाइन निर्माण 14.40 करोड़ के लागत के कार्य का नारियल तोड़कर शुभारम्भ किया।

एमपी नगर स्थित उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री देवांगन ने सम्बोधित करते हुए कहा कि दोनों ही कॉलोनी आज शहर के मुख्य आवासीय कॉलोनी हैं, लेकिन यहां की सीवरेज लाइन की समस्या विगत कुछ वर्षों से बदहाल थी। कॉलोनी की लंबे समय से नई सीवरेज लाइन के निर्माण की मांग थी। विधानसभा चुनाव में जब मुझे आप सभी के बीच संवाद कर आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला था तब आप सभी ने इस बहुप्रतीक्षित कार्य की मांग की थी।

तब मैंने वादा किया था कि नई सीवरेज लाइन का निर्माण हर हाल में किया जाएगा। आप सभी को बताते हुए हर्ष हो रहा है की इस बहुप्रतीक्षित कार्य को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने 15 वें वित्त आयोग मद से तत्काल राशि की स्वीकृति प्रदान की और आज इस कार्य का शुभारम्भ किया जा रहा है। दोनों ही कॉलोनी के 3350 मकानों की नई सीवरेज लाइन का लाभ मिलेगा। 14.4 किलोमीटर लंबी सीवरेज लाइन का निर्माण होगा। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सुशासन की सरकार एक ही पहचान है विकास और तेज विकास। ट्रिपल इंजन की सरकार में कोरबा नगर के विकास के लिए पर्याप्त राशि मिल रही है। उन्होने अधिकारियों से समयसीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ काम करने के निर्देश दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर संजू देवी राजपूत ने कहा कि कोरबा नगर में कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन के नेतृत्व में कोरबा नगर निगम हर छोटी से बड़ी समस्याओ के निजात के लिए काम तेज गति से जारी है।

विकास के लिए फंड लगातार प्राप्त हो रहा है। शहर को सुव्यवस्थित एवं सुसज्जितकरने की दिशा मे कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है।

जगदलपुर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा हुए शामिल

उप मुख्यमंत्री ने विज्ञान तीर्थ दर्शन अभियान शुरुआत करने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर जगदलपुर में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। यह समारोह शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वाधान में कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार, शोध एवं वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस वैज्ञानिकों के योगदान को याद करने और युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर है। नवजवान साथी ही अब सारथी हैं विज्ञान के सारे अभियान में शामिल हो। उन्होंने विद्यार्थियों से विज्ञान को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखते हुए नवाचार और शोध की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने विश्व और भारत के प्रारंभिक वैज्ञानिकों की तत्कालीन परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान में माता- बहनों को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि बस्तर में वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए, अनुसंधान करने वाले युवा वैज्ञानिकों का नाम वैज्ञानिक ग्रंथों में उल्लेख हो। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने सहित युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विज्ञान तीर्थ दर्शन अभियान शुरुआत करने की घोषणा की। जिसमें युवा वैज्ञानिकों को देश के प्रमुख वैज्ञानिकों के जन्म स्थलों का अध्ययन भ्रमण करवाया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने दण्डकारण्य आमचो बस्तर विज्ञान महोत्सव का विमोचन किया। विज्ञान महोत्सव की गतिविधि मार्च से सितंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें सोझ - गोठ (छात्र और वैज्ञानिक वार्ता), जोहार प्रकृती (ग्राम समिति कार्यशाला), बस्तर अनुसंधान (बस्तर लोक विज्ञान सम्मेलन), लोक - वैद्य सभा (पारंपरिक वैद्य विज्ञान अध्ययन अनुसंधान व कार्यशाला) और विकास यात्रा(प्रबुद्ध जनों की गोलमेज संगोष्ठी) का आयोजन किया जाएगा ।

इस अवसर पर भोपाल, रायपुर से पहुँचे विभिन्न वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नवीनतम आयामों पर प्रकाश डाला। समारोह का उद्देश्य युवाओं में वैज्ञानिक चेतना का प्रसार करना और समाज में विज्ञान के महत्व को रेखांकित करना रहा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ प्रशांत कवीश्वर, सीएसआईआर भोपाल के निदेशक डॉ थल्लाडा भास्कर, विज्ञान भारती के विवस्वान, बस्तर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनोज श्रीवास्तव ने भी विचार रखे ।

कार्यक्रम में सांसद महेश कश्यप, विधायक किरण सिंह देव, महापौर संजय पांडेय, गणमान्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, प्राध्यापकगण, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

निर्मित कौर अहलूवालिया की दमदार वापसी

4 साल बाद लंबे फॉर्मेट में किया कमबैक

अभिनेत्री निर्मित कौर अहलूवालिया अपने करियर के एक नए और रोमांचक दौर में कदम रख रही हैं। वह अपने ओटीटी डेब्यू 'अब होगा हिसाब' के साथ लंबे फॉर्मेट की कहानी में वापसी कर रही हैं। फिल्मों में काम करने के बाद अब वह एक पूरी सीरीज़ के साथ फिर से सेट पर लौटी हैं, जो उनके अभिनय सफर में एक अहम बदलाव है।

यह शो उन्हें उस फॉर्मेट में वापस लेकर आया है, जिससे वह पहले जुड़ी रही हैं, लेकिन इस बार वह इसे एक नए अनुभव और नई सोच के साथ देख रही हैं।

निर्मित के लिए लंबे फॉर्मेट की कहानी में लौटना एक तरह से यादों भरा और रचनात्मक रूप से संतोष देने वाला अनुभव रहा। उनका मानना है कि लंबे फॉर्मेट की कहानियों में कलाकार को अपने किरदार को गहराई से समझने और जीने का ज़्यादा समय मिलता है। इससे भावनाओं और कहानी के उतार-चढ़ाव को बेहतर तरीके से महसूस किया जा सकता है।

'अब होगा हिसाब' के सेट पर वापसी के बारे में निर्मित ने कहा, लंबे फॉर्मेट के सेट पर वापस आना शुरू में थोड़ा अवास्तविक सा लगा। फिल्मों में काम करने के बाद जब आप ऐसी कहानी में लौटते हैं जो समय के साथ आगे बढ़ती है, तो एक अलग ही उत्साह महसूस होता है। लंबे फॉर्मेट की सीरीज़ आपको अपने किरदार के साथ बैठने, उसकी परतों को समझने और उसके साथ आगे बढ़ने का मौका देती है। यहां आप एक भाव से दूसरे भाव में जल्दी-जल्दी नहीं जाते, बल्कि हर चीज़ को गहराई से महसूस करने का समय मिलता है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे 'अब होगा हिसाब' जैसी सीरीज़ में सबसे अच्छी बात यह लगती है कि इसमें अभिनय करने के लिए खुली जगह मिलती है। आप खामोशी, भावनाओं के बदलाव और किरदार के अलग-अलग पहलुओं को विस्तार से दिखा सकते हैं। एक कलाकार के लिए यह बहुत कीमती होता है, क्योंकि इससे आपका किरदार और कहानी से जुड़ाव और मज़बूत होता है। लंबे फॉर्मेट के शो के सेट पर लौटकर मुझे याद आया कि मुझे कहानी कहने से प्यार क्यों है। यह मेहनत भरा ज़रूर है, लेकिन उतना ही संतोष देने वाला भी है।

'अब होगा हिसाब' के साथ निर्मित कौर अहलूवालिया एक बार फिर साबित कर रही हैं कि वह अलग-अलग फॉर्मेट में सहजता से काम कर सकती हैं। यह सीरीज़ उनका ओटीटी डेब्यू है और उनके अभिनय करियर के एक नए और रोमांचक अध्याय की शुरुआत भी।

शनाया कपूर की नई फिल्म को नाम मिला जैकब कार्डोसो, रिलीज तारीख पर आया अपडेट

शनाया कपूर ने अपनी हालिया रिलीज एडवेंचर-थ्रिलर फिल्म तू या मैं से सुर्खियां बटोरी थीं। इसमें उनके साथ आदर्श गौरव मुख्य किरदार में थे, लेकिन दर्शकों का दिल जीतने में यह बुरी तरह से नाकामयाब साबित हुई।

इस बीच, शनाया अगली फिल्म को लेकर चर्चाओं में आ गई हैं जिसके शीर्षक का खुलासा आखिरकार हो गया है। फिल्म के निर्माता विकेश भूटानी हैं जिन्होंने आधिकारिक तौर पर शीर्षक का खुलासा कर दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता भूटानी ने बातचीत के दौरान बताया है कि आगामी कॉमेडी फिल्म का शीर्षक जैकब कार्डोसो रखा गया है। शनाया के अलावा, फिल्म में अभय वर्मा मुख्य किरदार में दिखाई देंगे, जिन्हें मुंज्या से लोकप्रियता मिली थी। शुजात सौदागर द्वारा निर्देशित जैकब कार्डोसो की कहानी कथित तौर पर 1987 के समय पर आधारित है। भूटानी ने बताया, यह गोवा में बनी खूबसूरत फिल्म है, उस समय की कहानी है जब गोवा राज्य बन रहा था।

फिल्म जैकब कार्डोसो की शूटिंग मार्च, 2025 में शुरू हुई थी जो 2 महीने में पूरी हो गई। जल्द ही इसकी रिलीज तारीख जारी होगी। आंखों की गुस्ताखियां और तू या मैं के बाद, शनाया की यह तीसरी फिल्म है, जिससे उनके फैंस को काफी उम्मीदें हैं। वहीं अभय की बात करें, तो वह आगामी फिल्म लाइकी लाइका में दिखाई देंगी जिसमें उनके साथ राशा थडानी मुख्य किरदार में दिखेंगी। फिल्म 2026 की गर्मियों में सिनेमाघरों का रुख करेगी।

नींबू से बनाए जा सकते हैं ये 5 व्यंजन, होते हैं खट्टे-मीठे और लजीज

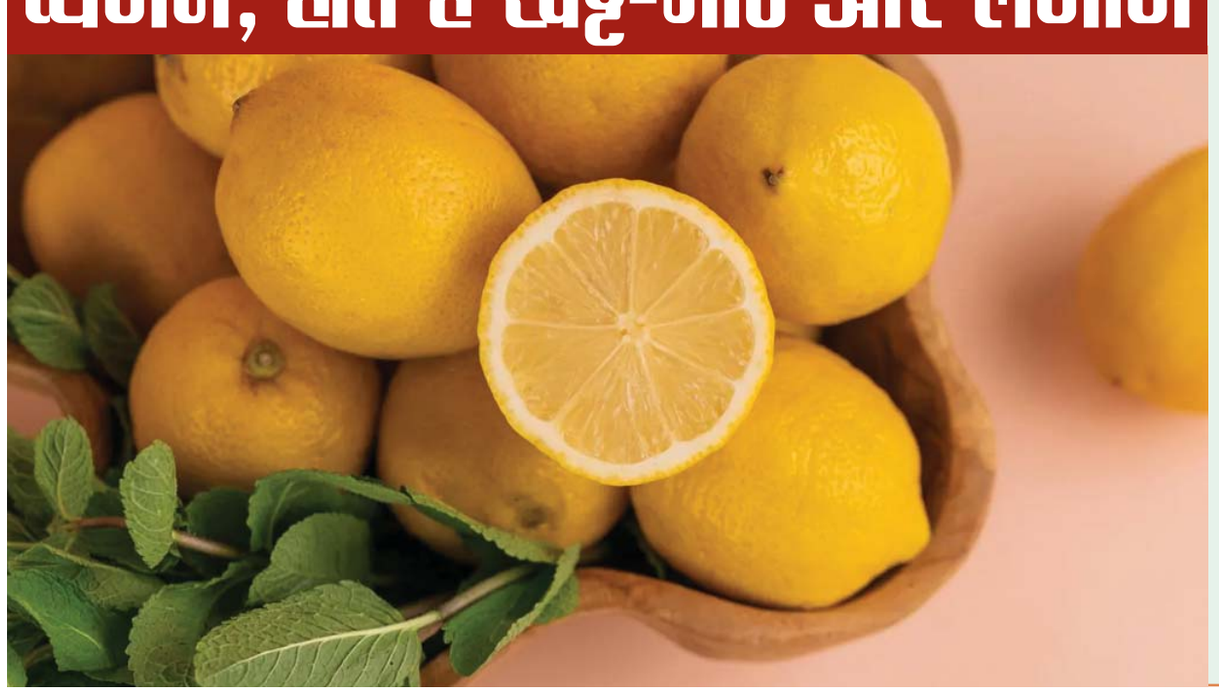

नींबू एक ऐसा फल है, जो भारतीय खान-पान में खास तौर से शामिल होता है। यह न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह व्यंजनों के स्वाद को भी बढ़ा देता है। नींबू में विटामिन-सी, एंटीऑक्सीडेंट और मिनरल होते हैं, जो शरीर को ताजगी और ऊर्जा प्रदान करते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे अनोखे और आसान व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप नींबू का इस्तेमाल करके बना सकते हैं।

नींबू की चटनी

नींबू की चटनी एक बेहतरीन साइड डिश है, जिसे आप किसी भी समय बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए आपको ताजा नींबू, पुदीना, हरी मिर्च, नमक और थोड़ी-सी चीनी चाहिए होगी। इन सभी सामग्रियों को मिलाकर मिक्सर में पीस लें। यह चटनी न केवल आपके खाने को स्वादिष्ट बनाती है, बल्कि इसमें मौजूद विटामिन-सी आपके शरीर की रक्षा प्रणाली को भी मजबूत करता है। इसे आप पराठे या चावल के साथ खा सकते हैं।

नींबू का रायता

गर्मियों में ठंडा-ठंडा रायता खाना किसे पसंद नहीं होता? नींबू का रायता बनाना भी बहुत आसान है। इसके लिए आपको दही, कद्दूकस किए हुए नींबू के छिलके, भुना जीरा पाउडर, नमक और काला नमक चाहिए होगा। सभी सामग्रियों को मिलाकर अच्छे से फेंट लें। यह रायता न केवल आपके खाने को संतुलित करता है, बल्कि इसमें मौजूद अच्छे बैक्टीरिया आपके पेट के लिए भी फायदेमंद होते हैं। इसे आप बिरयानी या पुलाव के साथ परोस सकते हैं।

नींबू की मुरब्बा

नींबू की मुरब्बा एक पारंपरिक मिठाई है, जिसे लंबे समय तक रखा जा सकता है। इसे बनाने के लिए छोटे-छोटे कटे हुए नींबू, चीनी, पानी और कुछ मसाले जैसे इलायची या दालचीनी का इस्तेमाल किया जाता है। इस मुरब्बे को आप नाश्ते में या खाने के बाद खा सकते हैं। यह आपके पेट को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है और विटामिन-सी का अच्छा स्रोत होता है। इसमें आप अन्य मसाले भी शामिल कर सकते हैं।

नींबू की सब्जी

सब्जी में नींबू का इस्तेमाल करना थोड़ा नया है, लेकिन इसका स्वाद बहुत अच्छा आता है। इसके लिए आपको आलू, टमाटर, प्याज, अदरक-लहसुन का पेस्ट, हल्दी, धनिया पाउडर और ताजे नींबू का रस चाहिए होगा। सभी मसालों को भूनकर उसमें कटे हुए आलू और टमाटर डालें, फिर ऊपर से नींबू का रस डालकर पकने दें। यह सब्जी रोटी या चावल, दोनों के साथ अच्छी लगती है और खट्टे-मीठे स्वाद वाली होती है।

नींबू की बर्फी

मीठे के शौकीनों के लिए नींबू की बर्फी एक बेहतरीन विकल्प होगी। इसे बनाने के लिए आपको खोया, चीनी, इलायची पाउडर और कद्दूकस किए हुए नींबू के छिलके की जरूरत पड़ेगी। खोया को भूनकर उसमें चीनी मिलाएं, फिर इलायची पाउडर और नींबू के छिलके डालकर मिलाएं। इस मिश्रण को थाली में फैलाकर ठंडा होने दें, फिर काटकर बर्फी बनाएं। यह मिठाई न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि इसमें मौजूद पोषक तत्व भी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं।

फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' पर बोलीं मीरा चोपड़ा

'एक लड़की होने के नाते मैं चुप नहीं रह सकती'

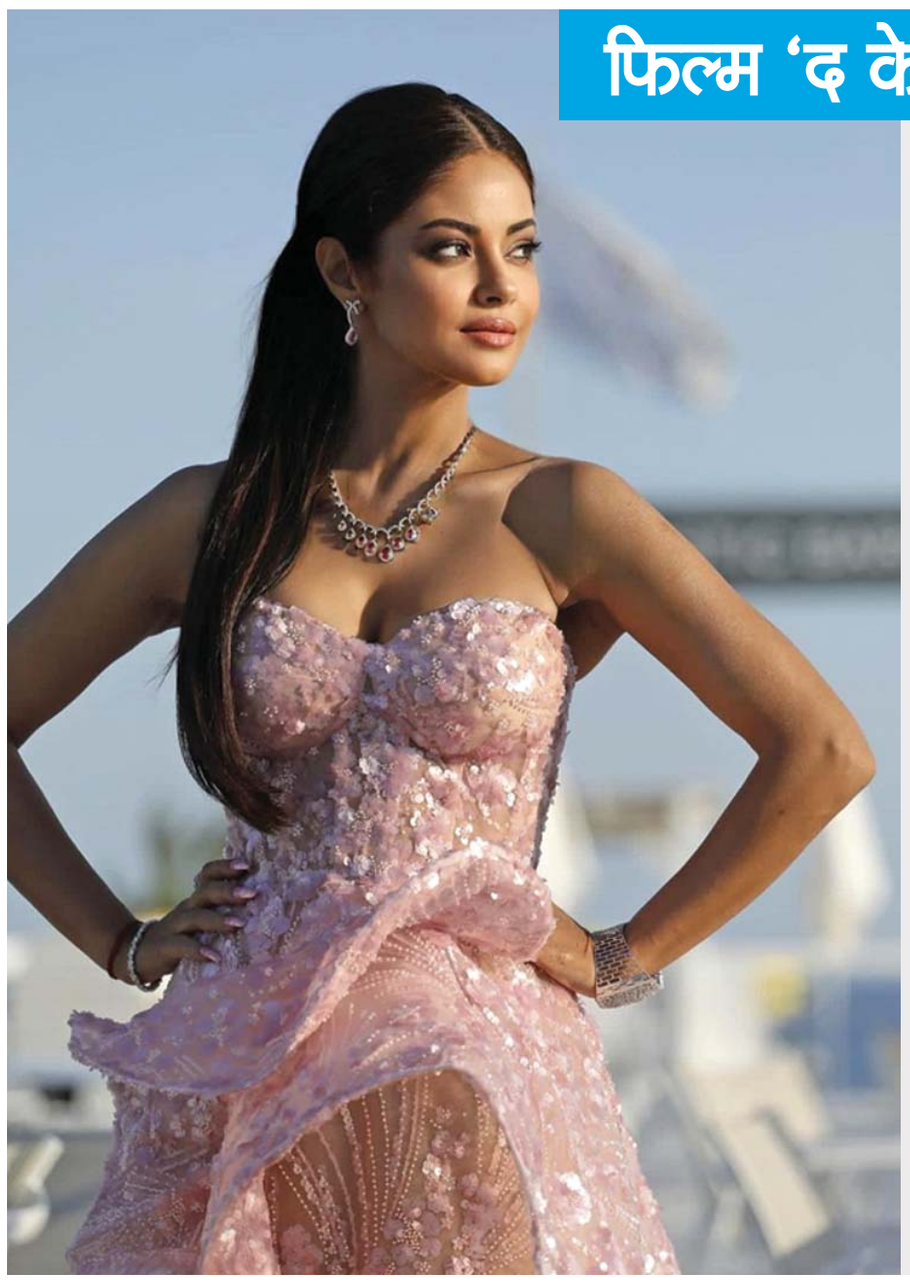

फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' सिनेमाघरों में लग चुकी है। इस फिल्म को लेकर तेलुगु इंडस्ट्री की चर्चित एक्ट्रेस मीरा चोपड़ा ने अपना रिएक्शन दिया है।

'द केरल स्टोरी 2' शुक्रवार को रिलीज हो गई है। एक तरफ इस फिल्म को लेकर विवाद है। कुछ लोग इसे 'प्रोपोगेंडा' फिल्म कहकर आलोचना कर रहे हैं। मगर, वहीं, जब थिएटर्स में लग गई है तो इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिल रही हैं। साउथ की चर्चित अभिनेत्री मीरा चोपड़ा ने फिल्म को देखने के बाद अपने विचार साझा किए हैं।

मीरा बोलीं- 'फिल्म नहीं, एक वेक-अप सायरन है'

मीरा चोपड़ा ने आज शनिवार को अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' को जरूर देखे जानी वाली फिल्म बताया है। वे लिखती हैं, 'फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह भारत के लिए एक वेक-अप सायरन है। एक हिंदू महिला होने के नाते, युवा लड़कियों को ग्रूम करने, जबर्दस्ती करने और सोच के आधार पर टारगेट करने को देखकर मुझे गुस्सा आता है। सिस्टमैटिक तरीके से उन्हें सिखाने और शोषण करने का तरीका डरावना है'।

कहा- 'महिलाओं की सुरक्षा 'प्रोपेगैंडा' नहीं'

मीरा चोपड़ा ने आगे लिखा है, 'एक लड़की होने के नाते, मैं चुप नहीं रह सकती। महिलाओं की सुरक्षा 'प्रोपेगैंडा' नहीं है। यह देशभक्ति है। अगर हमारी बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, तो हमारा देश सुरक्षित नहीं है। हमारी महिलाओं की रक्षा करें। हमारी सभ्यता की रक्षा करें'। उन्होंने आगे फिल्म के निर्देशक कामाख्या नारायण सिंह और प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह को टैग करते हुए लिखा है, 'आपने इस फिल्म को बनाने में जो हिम्मत दिखाई है, उसके लिए उनकी तारीफ होनी चाहिए। मैं हर परिवार, हर बेटी और हर भाई से गुजारिश करूंगी कि वे यह फिल्म जरूर देखें'।

'द केरल स्टोरी 2' का बॉक्स ऑफिस

काफी विवादों के बाद शुक्रवार को रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले दिन ठीक-ठाक शुरुआत की है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक ओपनिंग डे पर फिल्म ने 3.50 करोड़ रुपये से खाता खोला। फिल्म का पहला पार्ट 'द केरल स्टोरी' साल 2023 में रिलीज हुआ था। इसने पहले दिन 8.03 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। 'द केरल स्टोरी 2' पहले पार्ट का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई है। देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म वीकएंड पर क्या कमाल करती है।

डिंपल कपाड़िया और पंकज कपूर की फिल्म जब खुली किताब का फर्स्ट लुक आया सामने

06 मार्च से जी5 पर होगी रिलीज

फिल्म जब खुली किताब का पहला लुक सामने आ गया है। इस फिल्म में मशहूर एक्टर पंकज कपूर और डिंपल कपाड़िया मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान सौरभ शुक्ला ने संभाली है। ओटीटी पर जब खुली किताब अगले महीने यानी मार्च में रिलीज होगी।

अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा प्रेजेंट और शूस्ट्रैप फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म को सौरभ शुक्ला ने डायरेक्ट ही नहीं किया, बल्कि लिखा भी है। यह सौरभ शुक्ला के इसी नाम के ओरिजिनल प्ले पर बेस्ड है। फिल्म स्क्रीन पर एक प्यारा, मजेदार और इमोशनल लेयर वाला लेट-लाइफ रोमांस दिखाती है। जब खुली किताब 06 मार्च 2026 से जी5 पर स्ट्रीम होगी।

फिल्म जब खुली किताब गोपाल और अनुसूया की कहानी है, जिनकी दशकों पुरानी शादी एक अचानक हुए खुलासे से हिल जाती है। जैसे-जैसे लंबे समय से छिपी सच्चाई सामने आती है, उनका परिवार भावनाओं के भंवर में फंस जाता है। यह फिल्म इमोशंस से भरपूर है। मगर, हंसने के भी पर्याप्त मौके देगी। असल में, कहानी प्यार, साथ, माफी और जिंदगी भर साथ रहने के बाद एक-दूसरे को फिर से खोजने की संभावना जैसे विषयों को दिखाती है।

कलाकारों की टीम में अपारशक्ति खुराना भी हैं, जो एक युवा वकील का रोल अदा करते दिखेंगे। इनका मॉडर्न नजरिया इस फैमिली ड्रामा में एक नयापन लाता है। समीर सोनी, नौहीद सेरुसी और मानसी पारेख भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। जी5 की हिंदी बिजनेस हेड कावेरी दास ने फिल्म को लेकर कहा कि यह यह प्यार का जश्न मनाने वाली फिल्म है। उन्होंने कहा, फिल्म जब खुली किताब एक याद दिलाती है कि प्यार टाइमलाइन या एक्सपायरी डेट के साथ नहीं आता।

खास खबर

आकांक्षी जिला सुकमा में नेशनल साइंस डे पर विज्ञान और नवाचार की अनूठी झलक

सुकमा। आकांक्षी जिला सुकमा में सम्पूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत नेशनल साइंस डे का आयोजन उत्साह और ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन साइंस पार्क सुकमा में किया गया, जहां जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और वैज्ञानिक सोच का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में कलेक्टर अमित कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विज्ञान प्रदर्शनी और अभिनव वैज्ञानिक मॉडलों का अवलोकन कर उनकी जिज्ञासा, नवाचार क्षमता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की सराहना की। अपने प्रेरणादायी संबोधन में कलेक्टर ने कहा कि विज्ञान केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का एक दृष्टिकोण है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे विज्ञान को अपने दैनिक जीवन में अपनाकर समस्याओं के व्यावहारिक समाधान खोजें। कलेक्टर ने अपने उद्बोधन में वैज्ञानिक सोच, तार्किक दृष्टिकोण और नवाचार को देश एवं जिले की प्रगति का सशक्त आधार बताया। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी प्रयोगात्मक ज्ञान को आत्मसात करेंगे, तो वे भविष्य में समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे। इस अवसर पर जिले के 9 विद्यालयों के लगभग 200 विद्यार्थियों ने विज्ञान प्रदर्शनी, मॉडल प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी, भाषण एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का परिचय दिया।

श्याम बाबा मंदिर में श्रद्धालुओं का बढ़ रहा विश्वास

कोरबा । कोरबा में स्थित बाबा श्याम का मंदिर पिछले कुछ सालों से श्रद्धालुओं की धडकन बन गया है। यहाँ के भक्तों के अनुसार,जो जो कलयुग घोर बढ़ेगा बाबा तेरा जोर बढ़ेगा यह कहावत अब कागजों पर नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष देखी जा सकती है। बाबा श्याम मित्र मंडल के गोपाल अग्रवाल ने बताया कि 2010 में मंदिर के निर्माण कार्य और प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी के दौरान एक अचम्भित कर देने वाला दृश्य सामने आया। मुख्य पुजारी ने जब गर्भ गृह के लिए स्थान को चिन्हित किया तो वह स्थान अचानक ही संगमरमर की चमकदार सतह पर खाटू नरेश बाबा श्याम की स्वाभाविक रूप से उभरती कलाकृति से भर गया। यह अद्भुत कलाकृति बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के स्वयंभू रूप में प्रकट हुई जिससे सभी उपस्थित लोग स्तब्ध रह गए. इस चमत्कार ने स्थानीय लोगों के विश्वास को नई ऊँचाइयों पर पहुँचा दिया। ऐसे नहीं होते परंतु ऐसा हुआ है इस अनोखी कलाकृति की सुरक्षा के लिये इसे पूरी तरह से पारदर्शी कांच की ढाल से घेर दिया गया ताकि कोई भी छेड़छाड़ न हो सके। इसके बाद मंदिर के ऊपर नया गर्भ गृह बनाकर बाबा श्याम की विधिपूर्वक स्थापना की गई। बाबा श्याम के भक्त महेंद्र अग्रवाल ने कहा की हम सभी को सौभाग्य मिला है कि बाबा स्वयं यहाँ प्रकट हुए हैं। उनका आशीर्वाद हर कष्ट को दूर करता है और जीवन में नई ऊर्जा का संचार करता है. वर्तमान में मंदिर में दैनिक पूजा, मंत्रजाप और भजन कीर्तन के साथ साथ विशेष विधि विधान भी आयोजित होते हैं।

कलेक्टरेट परिसर में हर्बल गुलाल के स्टॉल आकर्षण का केंद्र, स्व-सहायता समूहों की अच्छी बिक्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। होली पर्व के अवसर पर कलेक्टरेट परिसर में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा हर्बल गुलाल के स्टॉल लगाए गए, जहां प्राकृतिक रंगों से तैयार उत्पादों की बिक्री की गई। स्टॉल पर अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों ने पहुंचकर हर्बल गुलाल की खरीदारी की और समूह की महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान जय मां सिद्धि स्व सहायता समूह, दही (विकासखंड साजा) द्वारा कुल 3,600 रुपये के हर्बल गुलाल का विक्रय किया गया। वहीं नर्मदा स्व सहायता समूह, झालम (विकासखंड बेमेतरा) ने 3,000 रुपये की बिक्री कर सराहनीय प्रदर्शन किया। समूह की महिलाओं ने बताया कि यह गुलाल प्राकृतिक एवं सुरक्षित सामग्री से तैयार किया गया है, जो त्वचा के लिए हानिकारक नहीं है तथा पर्यावरण के अनुकूल है। कलेक्टरेट परिसर में लगे इन स्टॉलों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

रंग-बिरंगे पैकेटों में सजे हर्बल गुलाल को लोगों ने विशेष रुचि के साथ खरीदा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पदमाकर एवं एसडीएम भारद्वाज ने भी स्टॉल का अवलोकन कर हर्बल गुलाल खरीदा और महिला समूहों के प्रयासों की सराहना की। अधिकारियों ने उत्पाद निर्माण की प्रक्रिया, गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं विपणन व्यवस्था की जानकारी लेते हुए महिलाओं को निरंतर नवाचार और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों की यह पहल महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बस्तर की सांस्कृतिक विरासत से अभिभूत हुई संयुक्त राष्ट्र की मेंटर

छह दिवसीय प्रवास के बाद भावुक होकर विदा हुई किर्सी ह्यवैरिनेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में है। संयुक्त राष्ट्र की मेंटर एवं हिवा कोचिंग एंड कंसल्टिंग की संस्थापक किर्सी ह्यवैरिनेन ने अपने छह दिवसीय प्रवास के दौरान बस्तर की जीवंत परंपराओं, लोक कला और जनजातीय संस्कृति को करीब से अनुभव किया।

प्रवास की समाप्ति पर उन्होंने बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा से औपचारिक मुलाकात कर अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रतीक जैन भी उपस्थित रहे। बैठक में बस्तर में सतत पर्यटन, सामुदायिक सहभागिता और वैश्विक स्तर पर ब्रांडिंग की संभावनाओं पर सार्थक चर्चा हुई।

सुश्री किर्सी ने विशेष रूप से धुड़मारास के भ्रमण का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां की प्राकृतिक छटा, जनजातीय जीवन शैली और पारंपरिक लोकाचार ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने स्थानीय समुदायों के आत्मीय आतिथ्य, लोकनृत्यों, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक आयोजनों की सराहना करते हुए कहा कि बस्तर की सांस्कृतिक जड़ें अत्यंत मजबूत और जीवंत हैं। यहां की परंपराएं केवल विरासत नहीं, बल्कि आज भी लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, जो इसे विश्व के पर्यटकों के लिए एक विशिष्ट और अविस्मरणीय गंतव्य बनाती हैं।

छह दिनों तक बस्तर के विभिन्न अंचलों का भ्रमण करने के दौरान उन्होंने ग्रामीण पर्यटन, स्थानीय उत्पादों, महिला स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों और प्रकृति आधारित पर्यटन स्थलों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि बस्तर में सामुदायिक सहभागिता के साथ पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं हैं और यदि इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संरचित किया जाए, तो यह वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर एक सशक्त पहचान बना सकता है।

कलेक्टर आकाश छिकारा ने सुश्री किर्सी के अनुभवों को बस्तर के पर्यटन संवर्धन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की सकारात्मक प्रतिक्रिया से न केवल स्थानीय पर्यटन को नई दिशा मिलेगी, बल्कि बस्तर की लोक कला, परंपराएं और प्राकृतिक धरोहर को वैश्विक मंच पर और सशक्त पहचान मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय संवाद से बस्तर में सतत और समावेशी विकास की अवधारणा को और बल मिलेगा। प्रवास के समापन पर सुश्री किर्सी ह्यवैरिनेन भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा कि बस्तर केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि अनुभवों की ऐसी भूमि है जहां प्रकृति, संस्कृति और मानवीय संवेदनाएं एक साथ जीवंत हो उठती हैं।

कोरबा को मिली नई सौगातः 100 बेड वाले आधुनिक शिवाय हॉस्पिटल का 7 मार्च को होगा शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। ऊर्जा नगरी कोरबा के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ा अध्याय जुड़ने जा रहा है। आगामी 07 मार्च 2026, शनिवार को शहर में 100 बेड की सर्वसुविधायुक्त स्वास्थ्य संस्था 'शिवाय हॉस्पिटल' नया बस स्टैंड कोरबा का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा।

कोरबा प्रेस क्लब में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान अस्पताल के संचालक और प्रसिद्ध न्यूरोसर्जन डॉ. दिविक एच. मित्तल ने बताया कि इस अस्पताल की स्थापना का मुख्य उद्देश्य स्थानीय नागरिकों को महानगरों जैसी उच्चस्तरीय और सुरक्षित चिकित्सा सुविधाएं किफायती दरों पर उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर डॉ. आस्था वैष्णव, डॉ. अमन श्रीवास्तव और डॉ. यशा मित्तल भी उपस्थित रहे। 24म7 आपातकालीन सेवा: किसी भी आपात स्थिति के लिए प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ और आधुनिक लाइफ-सपोर्ट सिस्टम हमेशा उपलब्ध रहेंगे।

अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर: अस्पताल में 20 बेड का एडल्ट आईसीयू और बच्चों के लिए विशेष 20 बेड का अत्याधुनिक नवजात शिशु आईसीयू (एनआईसीयू) तैयार किया गया है। मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर: अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप 4 अत्याधुनिक मॉड्यूलर ओटी स्थापित किए गए हैं।

डायग्नोस्टिक सेवाएं: सीटी स्कैन, सोनोग्राफी, डिजिटल एक्स-रे और सी-एआरएम मशीन जैसी सुविधाएं त्वरित जांच में मदद करेंगी। डायलिसिस यूनिट: किडनी रोगियों के लिए आधुनिक डायलिसिस की सुविधा भी स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगी।

अस्पताल की सबसे बड़ी विशेषता इसका फिजियोथेरेपी विभाग है। यहाँ एडवांस लेजर तकनीक और सायटिका के लिए विशेष स्पाइनल डेकोम्प्रेशन मशीन उपलब्ध है। डॉ. मित्तल ने बताया कि छत्तीसगढ़ का पहला स्पाइनल मोबाइलाइज ट्रैक्शन यूनिट यहाँ लगाया गया है, जो स्लिप डिस्क और रीढ़ की हड्डी की समस्याओं के बिना ऑपरेशन उपचार में क्रांतिकारी साबित होगा। शिवाय हॉस्पिटल प्रबंधन ने जानकारी दी कि भविष्य में यहाँ कार्डियोलॉजी और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी जैसी सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को भी चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा।

बस्तर में समावेशी शिक्षा की नई अलख

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। राज्य परियोजना कार्यालय के निर्देशानुसार और कलेक्टर आकाश छिकारा के कुशल मार्गदर्शन में दिव्यांग बच्चों के शैक्षणिक और सामाजिक उत्थान के लिए आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का खंड स्रोत समन्वयक कार्यालय जगदलपुर में समापन शुक्रवार को हुआ। इस विशेष आयोजन ने बस्तर जिले में समावेशी शिक्षा की संकल्पना को एक नई दिशा प्रदान की है।

इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण शिविर में जिले के सभी सात विकासखंडों से आए 55 प्राथमिक और 55 उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों सहित कुल 165 दिव्यांग छात्र, उनके अभिभावकों, बीआरपी और अटेंडेंट को मिलाकर लगभग 180 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता दर्ज की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मास्टर ट्रेनर्स ने समावेशी शिक्षा के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए दिव्यांग छात्रों के अधिकारों और उनके प्रति संवेदनशीलता विकसित करने पर जोर दिया। सत्रों में विशेष रूप से दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के तहत चिन्हित 21 प्रकार की दिव्यांगताओं से परिचय कराया गया और पाठ्यक्रम अनुकूलन व प्रभावी कक्षा रणनीतियों को साझा किया गया। आधुनिक युग की जरूरतों को देखते हुए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग और क्षमता निर्माण के गुर भी सिखाए गए, ताकि दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ा जा सके। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति की नवीन अवधारणाओं से अवगत कराते हुए दिव्यांग छात्रों की स्कूलों में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा की गई।शिक्षा के साथ-साथ प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुगम बनाने के उद्देश्य से शिविर में दिव्यांग प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की विधि तथा शासन एवं समग्र शिक्षा की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंतिम चरण में शिक्षकों और अभिभावकों ने अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया, जिससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई। इस वृहद आयोजन की सफलता में सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन सहित अचिंत्य दास, वंदना जैन, रोहित जाधव एवं स्पेशल एजुकेटर सचिन कुर्रे का सराहनीय योगदान रहा।

संस्कृति विभाग ने अर्थाभावग्रस्त होनहार युवा कलाकारों के लिए छात्रवृत्ति योजना 2026-27 के तहत प्रविष्टियां की आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक एवं सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहन देने की दिशा में संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ ने अर्थाभावग्रस्त होनहार युवा कलाकारों एवं विद्यार्थियों के लिए वर्ष 2026-27 की छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत प्रविष्टियां आमंत्रित की हैं।

इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली युवाओं को कला के क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक आर्थिक सहयोग प्रदान करना है। प्रविष्टियां निर्धारित प्रारूप में पूर्ण दस्तावेजों सहित पंजीकृत डाक के माध्यम से 20 मार्च 2026 तक आमंत्रित की गई हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि आर्थिक अभाव किसी भी प्रतिभाशाली युवा की प्रगति में बाधा न बने। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक एवं जनजातीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और संवर्धित करने की दिशा में यह छात्रवृत्ति योजना एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल न केवल युवा कलाकारों को आर्थिक संबल प्रदान करेगी, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में भी सहायक सिद्ध होगी।

विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार छात्रवृत्ति प्रोत्साहन हेतु विभिन्न विद्याएं एवं उपविद्याएं निर्धारित की गई हैं। लोक एवं पारंपरिक जनजातीय कलाओं के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की समस्त पारंपरिक जनजातीय एवं लोक नृत्य, नृत्य-गीत, लोकसंगीत, पारंपरिक खेल, वाद्य, पंडवानी, ददरिया, करमा, सुवा, राउत नाचा, गोंडी सहित अन्य जनजातीय गायन-वादन एवं लोक परंपराएं सम्मिलित हैं। शास्त्रीय संगीत में हिंदुस्तानी एवं कर्नाटक (गायन/वादन) मान्य हैं। शास्त्रीय नृत्य में भरतनाट्यम, कथक, कुचिपुड़ी, मोहिनीअट्टम, ओडिसी, मणिपुरी, कथकली आदि विधाएं शामिल हैं। रंगमंच के अंतर्गत हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी नाटक तथा अन्य लोक-जनजातीय नाट्य विधाएं सम्मिलित की गई हैं। दृश्य कला में ग्राफिक्स, मूर्तिकला, पेंटिंग, फोटोग्राफी, मृद्भांड (सेरामिक्स) एवं लोक-जनजातीय चित्रांकन परंपराएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सुगम शास्त्रीय संगीत की विधाएं जैसे ठुमरी, दादरा, टप्पा, भजन, ग़ज़ल एवं कव्वाली भी मान्य हैं।

योजना के लिए पात्रता एवं सामान्य शर्तें भी निर्धारित की गई हैं। आवेदक छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना चाहिए तथा चिन्हारी पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य है। आवेदक की आयु 15 वर्ष से कम और 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक अथवा उसके माता-पिता/अभिभावक की वार्षिक आय 72,000 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदन केवल निर्धारित प्रारूप में ही स्वीकार किए जाएंगे। चयनित विद्यार्थियों को नियमानुसार मासिक छात्रवृत्ति प्रोत्साहन राशि 5,000 रुपये से 10,000 रुपये तक प्रदान की जाएगी, जो डीबीटी/ई-पेमेंट के माध्यम से सीधे खाते में अंतरित होगी।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर हाइड्रो रॉकेट कार्यशाला एवं विशेष नाइट स्काई गेजिंग कार्यक्रम सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर हाइड्रो रॉकेट कार्यशाला एवं विशेष नाइट स्काई गेजिंग कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर, रायपुर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी 2026 के अवसर पर 1 हाइड्रो रॉकेट कार्यशाला तथा 2 नाइट स्काई गेजिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, दलदल सिवनी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, बरौदा, पी. एम. श्री. भरत देवांगन शासकीय उत्कृष्ठ विद्यालय, खरोरा, ब्रईटन स्कूल, नरदहा एवं शासकीय विद्यालय, आमासिवनी के छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही। छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

कार्यक्रम का गरिमामय शुभारंभ श्री एम. के. बेग, वैज्ञानिक ने किया गया। अपने प्रेरणादायी उद्घाटन उद्बोधन में उन्होंने महान वैज्ञानिक डॉ. सी. वी. रमन की ऐतिहासिक खोज रमन प्रभाव को भारतीय विज्ञान की वैश्विक पहचान का आधार बताते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान केवल ज्ञान का विषय नहीं, बल्कि नवाचार, तर्कशीलता और राष्ट्र निर्माण की सशक्त धुरी है।

श्री बेग ने अपने वक्तव्य में संसाधन उपग्रह एवं रिमोट सेंसिंग तकनीक की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि आज उपग्रह आधारित आंकड़ों के माध्यम से कृषि उत्पादन का आकलन, जल संसाधनों का मानचित्रण, वन क्षेत्र की निगरानी, आपदा पूर्वानुमान एवं शहरी नियोजन जैसे कार्य अत्यंत प्रभावी ढंग से किए जा रहे हैं। उन्होंने वि?द्यार्थियों से आह्वान किया कि वे वैज्ञानिक सोच को अपनाकर अंतरिक्ष प्रौ?द्योगिकी एवं उभरते शोध क्षेत्रों में सक्रिय सहभागिता करें और भारत को वैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें। कार्यशाला का आयोजन ढ्ढस्क्रह्र के पंजीकृत स्पेस ट्यूटर संस्था के तकनीकी सहयोग से किया गया। उनके द्वारा रॉकेट विज्ञान के मूल सिद्धांतों को सरल, व्यावहारिक एवं संवादात्मक शैली में प्रस्तुत किया गया, जिससे विद्यार्थियों को वैज्ञानिक अवधारणाओं को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को रॉकेट विज्ञान के मूल सिद्धांतों से परिचित कराया तथा रॉकेट प्रक्षेपण के वैज्ञानिक आधार को सरल एवं संवादात्मक शैली में समझाया। लगभग 120 विद्यालयी विद्यार्थियों ने कार्यशाला का लाभ प्राप्त किया। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण हाइड्रो रॉकेट का प्रत्यक्ष प्रक्षेपण रहा।

विधायक भावना बोहरा ने 4.75 करोड़ की लागत से सड़क निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। पंडरिया विधायक भावना बोहरा के निरंतर प्रयासों और डबल इंजन भाजपा सरकार में पंडरिया विधानसभा के वर्षों से बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है। आज विधायक भावना बोहरा ने ग्राम जंगलपुर में 4 करोड़ 75 हजार रु की लागत से निर्मित होने वाले 4.10 किलोमीटर लंबे बहुप्रतीक्षित जंगलपुर-लालपुर सड़क निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आज का यह दिन हमारे वनांचल और आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 4 करोड़ 75 लाख रु की लागत से होने वाले सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन पंडरिया विधानसभा में विकास, विश्वास और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। वनांचल एवं आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों के विकास को नई गति देते हुए जनता की इस बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करने के लिए हमने जो प्रयास किया आज वह सफल होते देखना अत्यंत सुखद है। पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी जैसे मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ ही अधोसंरचना निर्माण से वनांचल क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहें हैं। यह भारतीय जनता पार्टी की

विकासपरक सोच, मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा कि इस सड़क के निर्माण से अब वनांचल क्षेत्र सहित आस-पास के कई गांव इससे लाभान्वित होंगे। जनता को सुगम व सुरक्षित आवागमन सुविधा मिलने के साथ ही यहाँ व्यपारिक एवं व्यावसयिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और क्षेत्र का आर्थिक विकास सुनिश्चित होगा। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने इन क्षेत्रों को विकास की प्राथमिक सूची में सबसे ऊपर रखा है।

खास खबर

दोस्तों के साथ घूमने गया था लहरों के बीच फंसकर हुई मौत

राजनांदगांव। विशाखापट्टनम के समुद्री तट पर डूबने के कारण शिक्षक नगर स्टेशन पारा के रहने वाले 22 वर्षीय युवक स्वप्निल चौहान की मौत हो गई। वह दोस्तों के साथ विशाखापट्टनम के रुसीकोंडा समुद्र तट पर घूमने गया था। समुद्री तट में 26 फरवरी को हादसा हो गया। समुद्र की खतरनाक लहर ने उसे समुद्र में खींच लिया और डूबने से मौत हो गई। दोस्तों के सामने यह घटना हो गई। दोस्त चाहकर भी स्वप्निल को बचा नहीं सके। स्वप्निल स्नातक पास आउट होने के बाद मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव का कार्य कर रहे थे। स्वप्निल के आकस्मिक निधन से परिवार को गहरा आघात पहुंचा है। प्रबुद्ध सर्वोदय मंडल स्टेशन पारा की टीम ने अपने युवा साथी स्वप्निल को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनका शव शनिवार की रात उनके निवास स्थान शिक्षक नग स्टेशन पारा लाने की सूचना दी गई। उनकी अंतिम शव यात्रा उनके निवास स्थान शिक्षक नगर से निकाली जाएगी। इस घटना में अन्य दोस्तों के सुरक्षित होने की जानकारी मिली है।

चॉकलेट-किशमिश के पैकेट में गांजा तस्करी

जांजगीर। जांजगीर-चांपा जिले में पुलिस ने एक अनोखी और चौंकाने वाली गांजा तस्करी का खुलासा किया है। थाना चांपा पुलिस ने दो नाबालिगों से 6.7 किलो गांजा बरामद किया है। वे चॉकलेट-किशमिश के पैकेट में छिपाकर गांजा तस्करी की जा रही थी। पकड़ा गया गांजा बाजार मूल्य में लगभग 3.43 लाख का बताया जा रहा है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन चांपा के ओवरब्रिज के नीचे दो किशोर गांजा बेचने के लिए पैकेट में छुपाकर ग्राहक खोज रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दो नाबालिगों को पकड़ लिया। कब्जे से चॉकलेट-किशमिश के पैकेट में पैक कुल 6.7 किलो गांजा और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। उनके खिलाफ मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया।

किशोरी से गैंगरेप, दो आरोपी गिरफ्तार हुए

जशपुरनगर। बागबहार थाना क्षेत्र के एक गांव में 16 फरवरी की रात 17 वर्षीय किशोरी के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में पत्थलगांव पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। तीसरा मुख्य आरोपी अभी फरार है और उसकी तलाश तेज कर दी गई है। पीड़िता नाटक देखने गांव गई थी। देर रात घर न लौटने पर परिजन उसकी तलाश में जुटे। अगले दिन 17 फरवरी की रात वह बिजली सब स्टेशन के पास सड़क किनारे बेहोश हालत में मिली। ग्रामीणों ने उसे स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत में सिविल अस्पताल रेफर किया गया। पीड़िता ने मां को घटना बताई कि नाटक के बाद पैदल लौटते समय दो युवकों ने घर छोड़ने के बहाने बाइक पर बैठाया और जंगल ले जाकर बारी-बारी से सामूहिक दुष्कर्म किया। जांच में पुलिस ने संदिग्ध बाइक के मालिक सत्यप्रकाश यादव को पकड़ा। सख्त पूछताछ में उसने जुर्म कबूल कर लिया और साथियों का नाम लिया।

पत्नी ने बॉयफ्रेंड संग मिलकर पति को मार डाला

किराए की थार से बाइक को मारी टक्कर, साथ रहने रची साजिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में शनिवार को पत्नी ने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर की पति की हत्या कर दी। आरोपियों ने वारदात को हादसा दिखाने की कोशिश की। लेकिन हत्या के कुछ घंटे बाद ही पुलिस ने मामले का खुलासा किया और पत्नी समेत 4 आरोपियों को अरेस्ट कर लिया। मामला खरोरा थाना क्षेत्र के ग्राम खसेरा का है।

जानकारी के मुताबिक, किशोर सारथी की पत्नी रोशनी का पिछले एक साल से गांव के ही लिलेश उर्फ मुरू अफेयर चल रहा था। दोनों एक साथ रहना चाहते थे। ऐसे में उन्होंने किशोर सारथी (27) का रास्ते से हटाने का प्लान बनाया।

बॉयफ्रेंड लिलिश और उसके साथियों ने किराए की थार ली। मर्डर को हादसा दिखाने थार से बाइक सवार किशोर को टक्कर मारी दी, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए जांच की मांग की थी

दरअसल, 28 फरवरी की सुबह किशोर सारथी का शव ग्राम मांठ स्थित सागौन वाटिका के पास संदिग्ध हालत में मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पाकर पुलिस, डॉग स्क्वॉड और स्नस्रु टीम और परिजन मौके पर पहुंचे।

इधर, सड़क किनारे शव देखकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। मामले की गंभीरता का देखते हुए पुलिस

ने जांच तेज की। जांच में पता चला कि यह कोई सामान्य मौत नहीं, बल्कि प्लानिंग के तहत हत्या की गई है।

शक की सूई किशोर की पत्नी रोशनी पर टिकी। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो सच सामने आया। रोशनी ने बताया कि उसका पिछले एक साल से लिलेश उर्फ मुरू से प्रेम संबंध चल रहा था। रोशनी और लिलेश साथ रहना चाहते थे। यह बात पति किशोर को भी पता थी, जिसके कारण पति-पत्नी में अक्सर विवाद होता रहता था। इसके अलावा किशोर रोशनी के साथ मारपीट भी करता था। पति से छुटकारा पाने के लिए रोशनी ने लिलेश संग हत्या की साजिश रची।

साली को लेने के निकला था

27 फरवरी की रात रोशनी ने साजिश के तहत पति को अपनी बहन को लाने के बहाने ग्राम बिठिया अकेले भेज दिया। रास्ते में पहले से ही लिलेश अपने 2 साथी अजय राज कुलदीप और देवेंद्र कुमार के साथ थार लेकर घात लगाए बैठा था। जैसे ही बाइक सवार किशोर सागौन वाटिका के पास पहुंचा तो आरोपियों ने थार से किशोर को जोरदार टक्कर मारी। जिससे वह दूर फेंका गया और घायल अवस्था में पड़ा। बाद में उसने दम तोड़ दिया। मौके पर घसीटे जाने के निशान भी मिले।

सभी आरोपी गिरफ्तार

फिलहाल, आरोपी पत्नी के बताए अनुसार पुलिस ने आरोपी बॉयफ्रेंड और उसके 2 दोस्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ हत्या और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है, जिसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

रायगढ़ में युवक ने दंपती पर किया चाकू से हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में मामूली विवाद के चलते हुए चाकूबाजी के मामले में न्यायालय ने दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इस चाकूबाजी में पति की मौत हो गई थी। जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई थी। घटना कोतरारोड थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, खैरपुर के रहने वाले मुन्ना कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह पिछले एक साल से अपने जीजा छोटनराम के साथ खैरपुर जमनीपारा में रहकर सेल्फ मिस्त्री का कार्य करता है। जीजा छोटनराम और बहन लालती देवी ने कार्तिकराम तुरी (56) से जमीन खरीदकर नया मकान बनवाया था।

26 जनवरी 2023 को गृह

प्रवेश होना था। इसके पहले 24 जनवरी 2023 की रात करीब 8 बजे मकान में बिजली का कार्य चल रहा था। उसी दौरान मोहल्ले का निवासी देवव्रत कुमार सिन्हा (29) बाइक से गली में पहुंचा।

गली की मरम्मत हाल ही में कराई गई थी। इस पर मुन्ना की बहन लालती देवी ने बाइक चलाने को लेकर आपत्ति जताई। इसी बात पर देवव्रत ने विवाद और गाली-गलौज शुरू कर दी। कुछ देर बाद वह वहां से चला गया।

कुछ समय बाद कार्तिकराम तुरी और देवव्रत कुमार दोबारा मौके पर पहुंचे और रास्ता रोकने की बात को लेकर छोटनराम से विवाद करने लगे। गाली-गलौज के दौरान जब लालती देवी ने विरोध किया तो कार्तिकराम तुरी ने कमर के पीछे छिपाकर रखी सब्जी काटने की लोहे की छुरी निकाल ली और लालती देवी के पेट में वार कर दिया।

बीच-बचाव करने पहुंचे छोटनराम पर भी कार्तिकराम ने उसी छुरी से पेट में हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल छोटनराम जमीन पर गिर पड़े। घटना को नीरज पासवान और पिंटू कुमार जोल्हे ने भी देखा। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

घटना के बाद मुन्ना कुमार ने 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को रायगढ़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद छोटनराम को मृत घोषित कर दिया, जबकि लालती देवी को गंभीर हालत में भर्ती कर उपचार किया गया।

मुन्ना कुमार की रिपोर्ट पर कोतरारोड थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराया और आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

न्यायालय का फैसला

केस की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने साक्ष्यों के आधार पर दोनों आरोपियों को दोषी पाया। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार ठाकुर की अदालत ने कार्तिकराम तुरी और देवव्रत कुमार सिन्हा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही दोनों पर 2-2 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया। मामले में अपर लोक अभियोजक मोहन सिंह ठाकुर ने शासन की ओर से पैरवी की।

40 नाबालिग वाहन चलाते पकड़ाए : परिजनों को थाने बुलाकर काटा गया 1-1 हजार का चालान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में पुलिस नाबालिग वाहन चालकों पर कार्रवाई कर रही है। शहर के चौक-चौराहों पर जांच के दौरान 40 ऐसे वाहन चालकों को पकड़ा गया, जो नाबालिग थे। पुलिस ने उनके परिजनों को थाने बुलाकर वाहनों का चालान काटा।

साथ ही उन्हें समझाइश भी दी गई। होली त्योहार को लेकर पुलिस अपराधों पर लगाम लगाने के लिए संदिग्ध लोगों पर निगरानी कर रही है। इसके अलावा नाबालिग चालक और मॉडिफाइड साइलेंसर वाले वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

ऐसे में पुलिस की ओर से नाबालिग चालकों की जांच शुरू की गई। शनिवार को शहर के कोतवाली, चक्रधरनगर और जूटमिल थाना क्षेत्रों के मुख्य चौक-चौराहों पर जांच की गई। इस दौरान कई नाबालिग वाहन चालक तेज रफ्तार से वाहन चलाते हुए नियमों का उल्लंघन करते मिले।

कार्रवाई के दौरान 40 नाबालिग वाहन चालकों को वाहन चलाते हुए पकड़ा गया। इसके बाद उनके परिजनों को थाने बुलाकर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रत्येक के खिलाफ 1000-1000 रुपए का चालान काटा गया।

परिजनों को कड़ी हिदायत दी

साथ ही नाबालिग चालकों के परिजनों को कड़ी हिदायत दी गई कि भविष्य में उनके बच्चे दोबारा वाहन चलाते पाए गए तो वाहन की जब्ती के साथ परिजनों के खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। रायगढ़ पुलिस ने नाबालिग चालकों के परिजनों से अपील की है कि वे अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दें। साथ ही उन्हें यातायात नियमों का पालन करने की जानकारी दें, ताकि किसी प्रकार की अनहोनी को रोका जा सके और ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके।

खुद और दूसरों की जान खतरे में डालते हैं - एसएसपी

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि कई नाबालिग बच्चे वाहन चलाते समय स्वयं एवं अन्य लोगों की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति पाए जाने पर वाहन जब्ती के साथ अभिभावकों के खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दंतेश्वरी मंदिर में चोरी करने वाला आरोपी पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर में स्थित बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी मंदिर में 23 जनवरी की रात हुई चोरी के मामले में बस्तर पुलिस ने चोर को पकड़ लिया है। पुलिस ने आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम भी रखा था। बताया जा रहा है कि पड़ोसी राज्य ओडिशा से इसकी गिरफ्तार हुई है। इसे जगदलपुर लाया गया है। पुलिस आज खुलासा कर सकती है।

पुलिस ने मामले की जांच के लिए 9 टीमें गठित की थी, जिन्होंने 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी तक पहुंची। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

23 जनवरी की रात की वारदात

जानकारी के मुताबिक, 23 जनवरी की रात मंदिर में चोरी की वारदात हुई थी। चोर मंदिर के पीछे की तरफ का दरवाजा तोड़कर अंदर गया था। उसने देवी-देवताओं को अर्पित सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए थे। वहीं अगले दिन सुबह जब मंदिर के पुजारी पहुंचे तो उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी।

100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। धार्मिक स्थल में चोरी की वारदात को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में विशेष टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान शहर और आसपास के इलाकों में लगे 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई।

संदिग्ध की पहचान होने के बाद पुलिस की एक टीम को ओडिशा रवाना किया गया। वहां से आरोपी को पकड़कर जगदलपुर लाया गया। पुलिस ने आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और पुलिस जल्द ही पूरे मामले का खुलासा करने की बात कह रही है।

आबकारी विभाग की कार्रवाई : होली से पहले 1840 किलो महुआ लाहन, 139 लीटर शराब जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। सक्ती जिले में होली पर्व से पहले अवैध शराब निर्माण और भंडारण के खिलाफ आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। वार्ड क्रमांक 1 सक्ती और ग्राम मुक्तराजा (थाना बाराद्वार) में छापेमार कार्रवाई की गई। इस दौरान भारी मात्रा में महुआ लाहन और महुआ शराब जब्त की गई।

सक्ती के वार्ड नंबर 1 में आबकारी टीम ने शासकीय भूमि और छोटी नहर के किनारे छिपाकर रखे गए लगभग 40 डिब्बों और बोरियों से करीब 800 किलोग्राम महुआ लाहन तथा 4 लीटर महुआ शराब बरामद की। मौके पर लाहन का सैंपल लेकर विधिवत पंचनामा तैयार किया गया और उसे नष्ट कर दिया गया।

महुआ लाहन भरा 52 बोरियां बरामद

ग्राम मुक्तराजा में हजारों लीटर महुआ शराब बनाए जाने की तैयारी की सूचना पर आबकारी टीम ने दबिश दी। कार्रवाई के दौरान तालाब में छिपाकर रखी गई 52 बोरियां बरामद हुईं, जिनमें प्रत्येक बोरी में 20 किलोग्राम महुआ लाहन भरा था।

मौके पर ही नष्ट किया गया

कुल 1040 किलोग्राम महुआ लाहन तालाब से निकालकर सैंपल लेने के बाद मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। विभाग के अनुसार, इस लाहन से होली पर्व पर हजारों लीटर अवैध महुआ शराब बनाई जानी थी।

139 लीटर महुआ शराब बरामद

मुक्तराजा में ही शासकीय भूमि के किनारे झाड़ियों में छिपाकर रखे गए जरीकेन, प्लास्टिक की बोतलों और पन्नियों से कुल 135 लीटर महुआ शराब भी जब्त की गई। इन सभी मामलों में आबकारी विभाग ने कुल 1840 किलोग्राम महुआ लाहन और 139 लीटर महुआ शराब बरामद की है।

बस की टक्कर से ट्रेलर के नीचे घुसा बाइक सवार दोनों पैर कटे

जशपुरनगर। कुनकुरी-तपकरा-लवाकेरा स्टेट हाईवे पर शनिवार शाम को साजबहार गांव के पास सड़क हादसा हुआ। इस दुर्घटना में बधाटोली निवासी सुखेश्वर के दोनों पैर शरीर से अलग हो गए। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुखेश्वर अपने साथी के साथ तपकरा साप्ताहिक बाजार से बाइक पर घर लौट रहे थे। शाम करीब पांच बजे साजबहार के पास पहुंचते ही सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। सुखेश्वर बाइक सहित बगल से गुजर रहे एक ट्रेलर के पहिए के नीचे आ गया। इस हादसे में उसके दोनों पैर कटकर अलग हो गए। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस और अन्य वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

आधी रात दबिश, रेत लोड 14 हाइवा जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर। एनजीटी (राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण) द्वारा रात में खनन पर रोक के बावजूद जिले में रेत का अवैध खनन और परिवहन जारी है। बीती देर रात थाना अकलतरा पुलिस ने अमरताल के पास हाईवे पर दबिश देकर रेत से भरे 14 हाइवा को पकड़ा और मौके पर जब्त किया।

यह कार्रवाई जिले में चल रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में एसडीओपी अकलतरा प्रदीप कुमार सोरी ने नेतृत्व किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार पकड़े गए वाहन बिलासपुर और आसपास के इलाकों से रेत लेकर आ रहे थे।

शुरुआती जांच में यह भी सामने आया कि इस अवैध खनन और परिवहन में बड़े सिंडिकेट के लोग शामिल हैं। एसडीओपी प्रदीप सोरी ने बताया कि अमरताल के पास से जब हाईवा वाहन गुजर रहे थे, उसी समय एक कोयले का ट्रक पलटने से यातायात बाधित हुआ। मौके का फायदा उठाकर पुलिस ने सभी वाहनों को रोका और जांच की।

पुलिस ने कहा कि इन 14 हाईवा वाहनों के चालकों और मालिकों के खिलाफ खनिज अधिनियम सहित अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। वाहनों और कागजात की जांच कर पूरे सिंडिकेट की पहचान की जा रही है। एनजीटी के नियमों अनुसार खनन कार्य केवल दिन के समय ही किया जा सकता है। रात में खनन या रेत का अवैध परिवहन पर्यावरण अधिनियम, खनिज अधिनियम और नदी संरक्षण प्रावधानों के तहत दंडनीय अपराध है। एनजीटी ने यह भी स्पष्ट किया है कि रेत और खनिज केवल अनुमोदित खदानों से ही उठाए जा सकते हैं। नदी तटों या प्रतिबंधित क्षेत्रों से खनन पूर्णत: गैरकानूनी है।

एनजीटी के आदेश का नहीं हो रहा पालन

कार्रवाई की जा रही ट्रअवैध रेत उत्खनन अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मामले में किसी को बख्शा नहीं जाएगा। कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। ऐसे लोगों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ऑनलाइन-गेमिंग के नाम पर साइबर ठगी, दो और आरोपी हुए गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर चल रहे अवैध लेन-देन का खुलासा किया। इस मामले में म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल किया जा रहा था। इन खातों के जरिए साइबर ठगी के पैसे ट्रांसफर किए जा रहे थे। ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े पैसों का भी लेन-देन हो रहा था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले छह आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जबकि 8 आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है।

मामला पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र का है। जांच में सामने आया कि यह एक संगठित गिरोह है। गिरोह लोगों को पैसों का लालच देकर उनके नाम से बैंक खाते खुलवाता था। फिर उन खातों को ऑनलाइन गेमिंग से आने वाले पैसों के ट्रांजेक्शन में इस्तेमाल करता था। ऐसे खातों को म्यूल अकाउंट कहा जाता है।

इस मामले में पहले लोकेश कुमार जाधव, टवन कुमार जाधव, विनय सिंह सेंगर, राजू गायकवाड़, अमित मिश्रा और विशाल मसीह को गिरफ्तार किया गया था। सभी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पहले की कार्रवाई में कई एटीएम कार्ड, पासबुक और मोबाइल फोन भी जब्त किए जा चुके हैं। दोनों आरोपियों को 28 फरवरी को कोर्ट में पेश किया गया। न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल दुर्ग भेज दिया गया है।

मालगाड़ी की चपेट में आया ट्रक ड्राइवर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के सर्वमंगला फाटक के पास रेलवे ट्रैक पार करते समय एक ट्रक चालक मालगाड़ी की चपेट में आ गया। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल युवक की पहचान बरमपुर निवासी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, युवक फाटक के पास खदान से सटे रास्ते से रेलवे ट्रैक पार कर रहा था, तभी वह अचानक मालगाड़ी की चपेट में आ गया।

हादसे के बाद वह खून से लथपथ गंभीर हालत में पड़ा था। फाटक पर तैनात गेटमैन ने घायल युवक को देखा और तुरंत इसकी

सूचना सर्वमंगला चौकी प्रभारी विभव तिवारी को दी। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और घायल युवक को अपने वाहन से जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया।

युवक का दाहिना पैर कटा

सर्वमंगला चौकी प्रभारी विभव तिवारी ने बताया कि इस हादसे में युवक का दाहिना पैर कट गया है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। उसके परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। युवक अभी बोलने की स्थिति में नहीं है, इसलिए यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उसने आत्महत्या के इरादे से मालगाड़ी के सामने छलांग लगाई थी या यह एक दुर्घटना थी।

दंतैल फिर लौटा, बैगामार में सब्जी फसल चौपट की

कोरबा। वन मंडल कोरबा के कुदमुरा रेंज में दंतैल हाथी रात के समय धरमजयगढ़ वन मंडल से बैगामार पहुंच गया। यहां दो किसानों की सब्जी की फसल को नुकसान पहुंचाया है। इधर कटघोरा वन मंडल के केंदई रेंज में घूम रहे तीन हाथी शनिवार रात फुलसर नाला पहुंच गए। गांव में न घुसे इसके लिए पटाखे फोड़ते रहे। कोरबा वन मंडल में अभी दंतैल हाथी ही अधिक नुकसान पहुंचा रहा है। कभी भी वह धरमजयगढ़ वन मंडल लौटने के बाद फिर से वापस आ जाता है।

इसकी वजह से वन विभाग की टीम को सीमा क्षेत्र में निगरानी रखने कहा गया है। दंतैल इसके पहले चचिया के आसपास घूम रहा था। ग्रामीण जगत कोराम ने बताया कि इसमें दंतैल हाथी भी शामिल है।

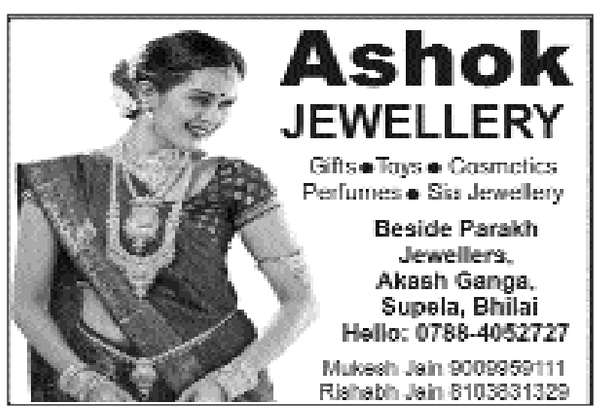

किसानों के सम्मान और समृद्धि के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर किसानों के खातों में की 10 हजार 324 करोड़ रुपए की राशि अंतरित
- 263.17 करोड़ के 89 कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास, मिलेगी विकास की नई रफ्तार
- बिलासपुर के रहंगी से मुख्यमंत्री ने किया प्रदेशभर के किसानों से वर्चुअल संवाद
- सतनामी एवं आदिवासी समाज के सामुदायिक भवन के लिए 50-50 लाख रुपए की घोषणा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिल्हा विकासखण्ड के रहंगी में कृषक उन्नति योजना अंतर्गत आयोजित आदान सहायता राशि वितरण समारोह एवं वृहद किसान सम्मेलन में प्रदेश के 25.28 लाख किसानों के खातों में 10 हजार 324 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का अंतरण किया। इनमें बिलासपुर जिले के 1 लाख 25 हजार 352 किसान शामिल हैं, जिनके खातों में 494.38 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री ने जिले के विकास को नई गति देते हुए 15.99 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण हुए 7 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 247.18 करोड़ रुपए की लागत के 82 विकास कार्यों का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित अन्य अतिथियों का खुमरी और नांगर भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में 'कृषक उन्नति योजना का वरदान, छत्तीसगढ़ का हर किसान धनवान' थीम पर आधारित वीडियो का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज का दिन किसान भाइयों के सम्मान का दिन है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 25 लाख 28 हजार से अधिक किसानों ने धान बेचा है और कृषक उन्नति योजना के माध्यम से आज 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि किसानों के खातों में अंतरित की गई है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किसान भाई होली का त्योहार अच्छे से मनाएं, इसलिए होली के पूर्व यह राशि प्रदान की जा रही है।

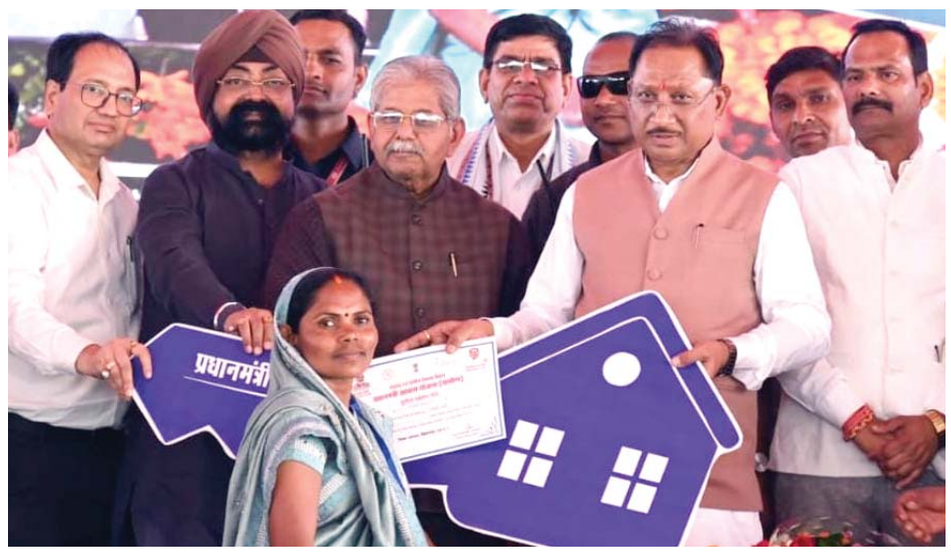

मुख्यमंत्री से संवाद कर किसानों ने जताया आभार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वर्चुअली जुड़कर प्रदेश के किसान हितग्राहियों से संवाद किया। जगदलपुर की महिला हितग्राही बसंती कश्यप ने बताया कि उनके खाते में 36 हजार रुपए की राशि आई है, जिससे वे होली का त्योहार अच्छे से मनाएंगे। कोरबा जिले के पहाड़ी कोरवा हितग्राही सुखन साय ने बताया कि उन्होंने 73 क्विंटल धान बेचा था और 53 हजार रुपए की राशि प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि इस राशि को वे घर बनाने में खर्च करेंगे। जांजगीर जिले के किसान समर्थ सिंह ने बताया कि उन्हें 1 लाख 41 हजार रुपए अंतर की राशि मिली है, जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार किसान हितैषी सरकार है और किसानों की चिंता करते हुए उनके लिए प्रगतिशील योजनाएं लाई गई हैं।इस बार किसानों को बारदाने की कोई समस्या नहीं हुई और किसानों के खातों में राशि भी समय पर पहुंची है। उन्होंने कहा कि सरकार ने शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को ऋण लेने की सुविधा प्रदान की है और आज लाखों किसान किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसानों को धान की सर्वाधिक कीमत देने की व्यवस्था की गई है, जो अन्यत्र कहीं नहीं है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में भी राशि अंतरित की जा रही है। खाद में सब्सिडी, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार सहित किसानों की समृद्धि के लिए हर स्तर पर कार्य किया जा रहा है तथा सहकारिता को लाभकारी बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों को 6000 रुपए सम्मान निधि की राशि प्रदान की जा रही है। इस वर्ष के बजट में कृषि के लिए 13 हजार करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता को दर्शाता है। किसानों को खेतों में पर्याप्त पानी मिले, इसके लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नक्सलवाद बस्तर क्षेत्र से समाप्ति की ओर है और इस दिशा में हम सफल हो रहे हैं। निश्चित रूप से मार्च 2026 तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जी का संकल्प पूरा होगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संसाधनों से परिपूर्ण राज्य है और खनिजों का समुचित दोहन कर राज्य को विकास के पथ पर आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। राज्य में पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए एनडीडीबी से समझौता किया गया है और अब छत्तीसगढ़ में भी दुग्ध क्रांति आने वाली है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभी गारंटियों को पूरा करने के लिए पूरी तत्परता से कार्य किया है और विगत दो वर्षों के कार्यकाल में अधिकांश वादों को पूरा कर लिया गया है। राज्य में सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 18 लाख गरीब परिवारों को आवास स्वीकृत किए गए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया गया है तथा प्रशासन में पारदर्शिता लाने के लिए ई-ऑफिस प्रणाली लागू की गई है। मुख्यमंत्री ने सभी की सहभागिता से विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के संकल्प को दोहराया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने चकरभाटा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन करने, मंगला में माध्यमिक शाला को हाई स्कूल में उन्नयन तथा रहंगी के खेल मैदान में बाउंड्रीवॉल एवं स्टेज निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री साय ने सतनामी समाज के सामुदायिक भवन के लिए 50 लाख रुपए तथा पत्थरखान में आदिवासी समाज के सामुदायिक भवन के लिए 50 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की।

कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि उन्नति योजना का लाभ देने के लिए मुख्यमंत्री जी किसानों के बीच आए हैं, यह बहुत ही ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने आज 10 हजार 300 करोड़ रुपए से अधिक की राशि किसानों के खातों में सीधे अंतरित की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हर साल किसानों के खातों में धान की राशि अंतरित की जा रही है। उन्होंने किसानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि धान से अधिक लाभ दलहन एवं तिलहन फसलों के उत्पादन में है और किसानों को फसल विविधीकरण अपनाना चाहिए। कृषि मंत्री ने कहा कि खेती-किसानी में नवाचार और परिवर्तन से ही किसानों के जीवन में समृद्धि आएगी। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन एवं मत्स्यपालन को बढ़ावा देने के लिए भी कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने किसानों को मिश्रित कृषि तथा जैविक खेती को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया तथा राशि अंतरित करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने किसानों का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय किसानों के दर्द और मेहनत को समझते हैं और होली से पहले किसानों की मेहनत और पसीने की सौगात देने के लिए आज उनके बीच उपस्थित हुए हैं। अन्नदाताओं की मेहनत के कारण ही छत्तीसगढ़ खुशहाल है। विगत तीन वर्षों में चार लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी हुई है तथा 1 लाख 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि किसानों के खातों में अंतरित की गई है। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में सड़क, सिंचाई सहित विकास के सभी आयामों में बेहतर कार्य हुआ है और विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना के साथ प्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शाहला निगार ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत किसानों को आदान सहायता प्रदान की जाती है, जिसका उद्देश्य उनकी आजीविका को सुदृढ़ करना और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाना है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में 25 लाख से अधिक किसानों को 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए किसानों को धान के साथ दलहन एवं तिलहन फसलों की ओर प्रोत्साहित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण भी किया।

कार्यक्रम में विधायक सर्वश्री अमर अग्रवाल, सुशांत शुक्ला, क्रेडा अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, पूर्व विधायक डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी, छत्तीसगढ़ राज्य पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष राजा पाण्डेय, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित के अध्यक्ष रजनीश सिंह, महापौर पूजा विधानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कृषि उत्पादन आयुक्त शाहला निगार, मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद, संचालक कृषि राहुल देव, कमिश्नर सुनील जैन, आईजी रामगोपाल गर्ग, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह, कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार राज्य की प्रगति और सशक्त होते आधारभूत ढांचे का प्रमाण : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित श्री बालाजी हॉस्पिटल परिसर में 200 बिस्तरीय अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भगवान बालाजी की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि और आरोग्य की कामना की।

साथ ही उन्होंने कैंसर अस्पताल के नवनिर्मित इकाइयों का शुभारंभ कर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार राज्य की प्रगति और सशक्त होते आधारभूत ढांचे का स्पष्ट प्रमाण है। प्रदेश निर्माण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर हम रजत जयंती वर्ष मना रहे हैं और राज्य गठन के समय जहां प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था, वहीं बीते वर्षों में 14 से 15 मेडिकल कॉलेज स्थापित हो चुके हैं, जो स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि अपने दो वर्ष के कार्यकाल में उन्होंने 5 से 6 नए अत्याधुनिक अस्पतालों का शुभारंभ किया है, जिससे आमजन को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कैंसर अपस्ताल में मरीजों को आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा, जिससे उनकी आर्थिक दिक्कतें भी कम होगी।

इस अवसर पर अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. तेजस नायक, मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. नीता नायक, आर. के. नायक, सत्यवती नायक तथा अस्पताल प्रबंधन और अधिकारी-कर्मचारी और आमजन उपस्थित थे।

जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जे.एल. दरियो को सेवानिवृत्ति पर दी गई गरिमामय विदाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जनसंपर्क विभाग में 36 वर्षों तक अपनी उत्कृष्ट सेवाएं देने के बाद अपर संचालक श्री जवाहर लाल दरियो के सेवानिवृत्ति अवसर पर आज नवा रायपुर स्थित संवाद के ऑडिटोरियम में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयुक्त जनसंपर्क डॉ. रवि मित्तल सहित जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने श्री दरियो को भावभीनी विदाई दी।

कार्यक्रम में आयुक्त जनसंपर्क डॉ. रवि मित्तल ने श्री दरियो की सेवा, समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा की। उन्होंने श्री दरियो को शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वस्थ, सुदीर्घ और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। अपर संचालक उमेश मिश्रा ने उनके साथ कार्य के अपने अनुभव को शेयर करते हुए कहा कि अविभाजित मध्य प्रदेश के इंदौर से जब उनका स्थानांतरण हुआ तो उन्होंने ही कार्यभार ग्रहण किया। अपर संचालक संजीव तिवारी ने श्री दरियो की सरलता और दायित्वों के प्रति समर्पण की प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अपर संचालक आलोक देव ने श्री दरियो की जीवनी पर प्रकाश डाला। श्री दरियो ने इस मौके पर विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त मार्गदर्शन और सहकर्मियों से मिले सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि आप सभी लोगों के सहयोग से ही वह अपने दायित्वों के निर्वहन में सफल रहे हैं।

होली का उपहार : किसानों को समर्थन मूल्य की अंतर राशि का एकमुश्त भुगतान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप सुशासन सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन करने वाले किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अंतर की राशि का एकमुश्त भुगतान होली पर्व से पूर्व आज उनके बैंक खातों में अंतरित किया गया। राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन बिलासपुर जिले के बिल्हा विकासखंड अंतर्गत ग्राम रहंगी में किया गया, जहां मुख्यमंत्री साय ने योजना अंतर्गत प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों के खातों में 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया तथा कृषकों से संवाद भी किया।

किसानों को दोहरी खुशी, सरकार ने निभाया हर वादा: मंत्री लखनलाल देवांगन

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कोरबा जिले के हरदीमहुवा, ग्राम देवपहरी निवासी कृषक सुखन साय कोरवा से संवाद कर योजना के लाभ की जानकारी ली। उन्होंने कृषक से खेती की भूमि, उत्पादन एवं आदान सहायता राशि के उपयोग के संबंध में चर्चा की। कृषक श्री कोरवा ने बताया कि प्राप्त राशि का उपयोग वे अपने आवास निर्माण कार्य में करेंगे।

कोरबा जिले में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि होली का पावन पर्व रंग, उमंग और आपसी भाईचारे का प्रतीक है, और इस अवसर पर किसानों के खातों में अंतर राशि का अंतरण वास्तव में उनके लिए दोहरी खुशी लेकर आया है। एक ओर जहां पूरा प्रदेश होली के उत्साह में सराबोर है, वहीं दूसरी ओर सरकार द्वारा किए गए वचन-पूर्ति ने किसानों के परिश्रम को सम्मान देते हुए उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मोदी की गारंटी के अंतर्गत किसानों का धान सर्वाधिक समर्थन मूल्य पर खरीदने का जो संकल्प लिया था, उसे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में किसानों के समग्र विकास के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को प्रतिवर्ष आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, वहीं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत प्राकृतिक आपदा या फसल क्षति की स्थिति में उन्हें सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सिंचाई, कृषि यंत्रीकरण, भूमिहीन किसानों के सशक्तिकरण के लिए भी विभिन्न योजनाएं संचालित हैं, जिनसे किसानों की आय में वृद्धि और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित हो रही है।

मंत्री देवांगन ने बताया कि कोरबा जिले के कुल 43 हजार 681 किसानों के खातों में आज 200.81 करोड़ रुपये की अंतर राशि अंतरित की जा रही है, जो जिले के कृषकों के लिए बड़ी सौगात है। उन्होंने कहा कि यह राशि किसानों के परिवारों की आवश्यकताओं की पूर्ति, कृषि कार्यों में निवेश तथा सामाजिक-आर्थिक उन्नति में सहायक सिद्ध होगी। अंत में उन्होंने सभी कृषकों को होली पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए इस ऐतिहासिक पहल पर बधाई प्रेषित की। महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने अपने संबोधन में कहा कि कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत आज का दिन पूरे छत्तीसगढ़ के लिए खुशहाली का प्रतीक है। किसानों के चेहरों पर आई मुस्कान सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है और किसानों के हित में लिए जा रहे निर्णय उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बना रहे हैं। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने कहा कि कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत जिले के सभी विकासखंडों में आदान सहायता राशि वितरण समारोह आयोजित किए गए हैं। राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के पश्चात अंतर राशि का भुगतान आज किसानों के खातों में पहुंच रहा है। उन्होंने उपस्थित किसानों का स्वागत करते हुए सभी को आगामी होली पर्व की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए गए, मंत्री श्री देवांगन ने स्टालों का अवलोकन कर विभागीय अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति एवं हितग्राहियों को दिए जा रहे लाभों की जानकारी प्राप्त की जिनमें बीज निगम, सीएसपीडीसीएल, स्व-सहायता समूह, कोसा विभाग, मत्स्य पालन विभाग, पशुधन विभाग, सहकारिता विभाग, कृषि विभाग एवं किसान पंजीयन से संबंधित स्टॉल शामिल थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950